देशबन्धु

वर्ष –11 । अंक–196 । सागर, गुरुवार 3 सितम्बर 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

बारिश के मौसम में मच्छरों और दूषित पानी से बढ़ता है संक्रमण का खतरा: डॉ. साद — पृष्ठ 3

छवियों में कैद मोदी विदेश नीति; बच्चों की डिजिटल दुनिया कितनी सुरक्षित — पृष्ठ 4

बारिश के बाद जलभराव और मच्छरों का प्रकोप — पृष्ठ 6

राशन दुकानों में गड़बड़ी पर कलेक्टर की कार्रवाई, 5 विक्रेताओं के खिलाफ एफआईआर — पृष्ठ 8

सार-समाचार

एआईएमआईएम नेता आसिम वकार ने थामा कांग्रेस का दामन

नई दिल्ली, देशबन्धु। टीवी चैनलों पर काफी मुखर नजर आने वाले ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता आसिम वकार बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यूपी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और अल्पसंख्यक विभाग के प्रमुख इमरान प्रतापगढ़ी ने उन्हें कांग्रेस में शामिल कराया। इस मौके पर वकार ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी सेक्युलरिज्म और सभी वर्गों की लड़ाई लड़ रहे हैं, इसलिए उन्हें कांग्रेस का दामन थामने का फैसला लिया है। एआईएमआईएम तो भाजपा से लड़ने के बजाए उस विपक्ष से लड़ रही है, जो भाजपा को सत्ता से हटाना चाहता है।

दिल्ली में 65 लाख रुपए मूल्य की अवैध सिगरेट जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने नियमित जांच के दौरान 65 लाख रुपये मूल्य की अवैध सिगरेट ले जा रहे एक वाहन को यहां जब्त कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यह खेप व्यापार और कर विभाग की कर चोरी विरोधी शाखा की टीम की रात्रि छापेमारी में पकड़ी गयी है। वाहन में दक्षिण कोरिया की आयातित सिगरेट के चार लाख से अधिक पैकेट ले जाये जा रहे थे, जिसे अक्सर तस्करी के जरिये भारतीय बाजार में लाया जाता है। यह भारत में बेचे या वितरित किये जाने वाले तंबाकू उत्पादों पर लागू कानूनी मानकों का उल्लंघन था।

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर 1.93 किलोग्राम गांजा जब्त

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद सीमा शुल्क अधिकारियों ने बुधवार को ट्रॉली बैग के अंदर विशेष रूप से बनाए गए स्थान से 1.928 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना जब्त करने में सफलता पाई। इसके साथ ही बैंकॉक से आए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया। यह सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एसवीपीआईए) पर दो दिनों में दूसरी ऐसी जब्ती है। यात्रियों की प्रोफाइलिंग और एक्स-रे स्कैनिंग के आधार पर कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद सीमा शुल्क की वायु खुफिया इकाई (एआईयू) के अधिकारियों ने बैंकॉक से थाई एयरवेज की उड़ान टीजी-343 से आए दो यात्रियों को रोका।

भारतीय विरासत की झलक, बार्सिलोना पहुंचा आईएनएस सुदर्शिनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना का 'आईएनएस सुदर्शिनी' बार्सिलोना पहुंच गया। 'आईएनएस सुदर्शिनी' एक बेहद खास पाल वाला पारंपरिक शैली का पोत है। यह लंबी समुद्री यात्रा पर है। बार्सिलोना पहुंचने के साथ ही इस ने एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। दरअसल यह यात्रा भारतीय नौसेना के अंतरमहाद्वीपीय समुद्री अभियान 'लोकायन 2026' का हिस्सा है। लोकायन के माध्यम से भारत विश्व में शांति और मित्रता का संदेश दे रहा है। आईएनएस सुदर्शिनी के स्पेन पहुंचने से यहां दोनों देशों के बीच समुद्री साझेदारी आपसी सहयोग व संपर्क बढ़ेगा।

कुकी-जो विधायक मणिपुर विधानसभा सत्र में हुए शामिल

इंफाल, एजेंसी। कुकी-जो समुदाय के दो विधायक तीन साल से अधिक समय में पहली बार बुधवार को मणिपुर विधानसभा सत्र में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। मणिपुर विधानसभा के 12वें सत्र का आठवां सत्र बुधवार को इंफाल में शुरू हुआ, जिसमें कुकी-जो समुदाय से संबंधित पहाड़ी क्षेत्रों के विधायक 3 मई, 2023 को राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद पहली बार कार्यवाही में शामिल हुए। सैतु विधानसभा क्षेत्र से विधायक हाओखोलेट किपगेन और साइकुल विधानसभा क्षेत्र से विधायक किमनेओ हाओकिप हैंगशिंग बुधवार को सत्र की पहली बैठक के दौरान उपस्थित थे। तीन साल से अधिक के अंतराल के बाद सदन में उनकी उपस्थिति दर्ज कराई गई है, इस दौरान कुकी-जो समुदाय के प्रतिनिधियों ने इम्फाल में विधानसभा की कार्यवाही में भाग नहीं लिया था। मणिपुर विधानसभा में प्रवेश करते हुए हाओखोलेट किपगेन ने कहा कि वह लंबे समय बाद विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए वापस आकर खुश हैं। हालांकि, उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन ने वर्चुअल मोड में सत्र में भाग लिया। मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने इस घटनाक्रम का स्वागत करते हुए इसे राज्य में एकता और शांति को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

---

106 करोड़ की भदोरा इंडस्ट्रीज का लोकार्पण, बोले मुख्यमंत्री

उद्योगों को रफ्तार, युवाओं को रोजगार

सिंगल विंडो से त्वरित अनुमति और आसान भूमि आवंटन से निवेशकों को मिल रहा अनुकूल वातावरण

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश में निवेश और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। राज्य सरकार उद्योग स्थापना की प्रक्रियाओं को लगातार सरल बना रही है और सिंगल विंडो प्रणाली के माध्यम से निवेशकों को त्वरित अनुमतियां उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को ग्वालियर से वर्चुअली खरगोन जिले की कसरावद तहसील के ग्राम पानवा में 106.35 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित भदोरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस उद्योग के शुरू होने से कसरावद क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उद्योग लगाने के लिए 76 प्रकार की अनुमतियां लेनी पड़ती थीं, लेकिन अब सिंगल विंडो प्रणाली के जरिए प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाया गया है। भूमि आवंटन की प्रक्रिया, जो पहले 50 से 60 दिन में पूरी होती थी, अब 29 दिन के भीतर पूर्ण करने की व्यवस्था की गई है। उद्योगों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विद्युत अधोसंरचना, नवकरणीय ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। खरगोन कपास उत्पादन के लिए विशेष पहचान रखता है और उद्योगों के विकास से किसानों तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ धार्मिक पर्यटन और अधोसंरचना पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। देश-विदेश की अनेक औद्योगिक इकाइयां प्रदेश में निवेश के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने उद्यमियों से मध्य प्रदेश में निवेश कर रोजगार और समृद्धि के नए अवसर सृजित करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि भदोरा इंडस्ट्रीज के संचालन से क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी और कसरावद क्षेत्र आर्थिक प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

जनविश्वास अभियान को नई मजबूती देगा जनविश्वास पोर्टल : डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में जनविश्वास पोर्टल महत्वपूर्ण और लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल पर यूजर मैनुअल के अनुसार अभियान से संबंधित जानकारियां नियमित रूप से अपलोड की जाएं, ताकि मैदानी स्तर पर जनता को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।

अधिकारियों को नियमित जानकारी अपलोड करने के निर्देश, उच्च स्तर पर होगी साप्ताहिक समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि 7 अगस्त से शुरू हुआ अभियान चार सप्ताह सफलतापूर्वक पूरे कर चुका है और कम समय में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जनप्रतिनिधि और अधिकारी सप्ताह में एक दिन मैदानी क्षेत्रों में पहुंचकर जनता की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण करने के लिए यह पोर्टल विकसित किया गया है। इसमें अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के भ्रमण, निरीक्षण, जनसंवाद, उद्यम संवाद, जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों, नीतिगत विषयों, महत्वपूर्ण निर्देशों, जिलों के नवाचारों तथा सुझावों की जानकारी दर्ज की जाएगी।

राममंदिर के पहले सीईओ बने जीतेंद्र मिश्रा

- भारतीय वायुसेना के पूर्व एयर मार्शल हैं
- गोविंददेव गिरि को महासचिव का दायित्व

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की प्रशासनिक और संचालन व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित करने की दिशा में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बड़ा कदम उठाया है। ट्रस्ट ने बुधवार को भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया। बैठक में ट्रस्ट के पदाधिकारियों के दायित्वों में भी बदलाव किया गया। इसके तहत स्वामी गोविंददेव गिरि को महासचिव बनाया गया है, जबकि महेश भागचंदका को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। मंदिर में आने वाले नकद चढ़ावे की गणना प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और तकनीक आधारित बनाने पर भी बैठक में विशेष जोर दिया गया।

जितेंद्र मिश्रा भारतीय वायुसेना में करीब चार दशक तक विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। उन्होंने छह दिसंबर 1986 को फाइटर पायलट के रूप में भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त किया था। अपने सैन्य करियर के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकार के 18 से अधिक विमानों पर उड़ान भरी और तीन हजार घंटे से ज्यादा का उड़ान अनुभव हासिल किया। जितेंद्र मिश्रा भारतीय वायुसेना की पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ भी रह चुके हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट में 3 नए सदस्यों की नियुक्ति

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में लंबे समय से रिक्त चल रहे तीन सदस्य पदों को बुधवार को भर दिया गया। मणिराम दास जी की छावनी में आयोजित ट्रस्ट की बैठक में नए सदस्यों के नामों पर मुहर लगाई गई। ट्रस्ट में चंपतराय, अनिल मिश्रा और स्वर्गीय विमलेन्द्र मोहन मिश्रा के स्थान पर अयोध्या के मदन मोहन पाण्डेय, दिल्ली के महेश भागचंदका और शिकोहाबाद की डा निर्मला यादव को सदस्य नियुक्त किया गया है। निर्मला यादव विश्व हिंदू परिषद के निधि समर्पण अभियान से जुड़ी रही हैं। दिल्ली निवासी महेश भागचंदका विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल के रिश्तेदार हैं। वह अशोक सिंघल फाउंडेशन से जुड़े हैं। अयोध्या निवासी मदन मोहन पाण्डेय वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और राम मंदिर से जुड़े मुकदमों की पैरवी कर चुके हैं। योगी सरकार के कार्यकाल में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रदेश सरकार का अपर महाधिवक्ता भी नियुक्त किया गया था।

राहुल गांधी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से राहत, नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

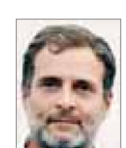

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ से बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने उनकी भारतीय नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका याचिकाकर्ता द्वारा वापस लेने के बाद खारिज कर दी। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा कि याचिकाकर्ता राहुल गांधी के ब्रिटिश नागरिक होने के आरोप के समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। अशोक पांडेय और एक अन्य की ओर से दाखिल याचिका में राहुल गांधी के रायबरेली से लोकसभा सदस्य बने रहने के अधिकार को चुनौती देते हुए क्वो वारंटो रिट जारी करने की मांग की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी भारतीय नहीं, बल्कि ब्रिटिश नागरिक हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय को बताया गया कि इसी मुद्दे पर वर्ष 2015 और 2019 में भी याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं।

आंध्र प्रदेश में गोल्लागुप्पा गांव में हुई घटना

मलेरिया की दवा लेने के बाद 70 बीमार, बच्ची की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के गोल्लागुप्पा गांव में मलेरिया रोकथाम अभियान के दौरान स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा मलेरिया की गोलियां दिए जाने के बाद कथित तौर पर एक सात वर्षीय आदिवासी लड़की की मौत हो गई और छात्रों और ग्रामीणों सहित 70 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने व्यापक जांच के आदेश दिए और अधिकारियों को प्रभावित लोगों के उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गोलगुप्पा पोलावरम एजेंसी। क्षेत्र का एक आदिवासी गांव है। स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों द्वारा मलेरिया की जांच के बाद 1 सितंबर को आदिवासी छात्रों और ग्रामीणों सहित गांव की आबादी में दवा वितरित की गई। दवा लेने के बाद बीमार पड़ने वालों में 14 आंगनवाड़ी बच्चे, 40 आदिवासी छात्र और 18 ग्रामीण शामिल हैं। गोलियां लेने के बाद गंभीर रूप से बीमार हुए लोगों को बेहतर इलाज के लिए तेलंगाना के भद्राचलम एरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। पोलावरम जिले के कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने बुधवार को फोन पर राज्य के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सत्य कुमार को गुल्लागुप्पा की नवीनतम स्थिति के बारे में जानकारी दी और कहा कि इलाज करा रहे ग्रामीणों की हालत स्थिर है। मलेरिया की गोलियां खाने वालों में जीपीएस स्कूल की कक्षा 2 की छात्रा सात वर्षीय मादिवी जमुना भी शामिल थी। दवा खाने के बाद उसे तेज उल्टी और पेट में जलन होने लगी। उसे तुरंत पास के लक्ष्मीपुरम पीएचसी ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे एम्बुलेंस से तेलंगाना के भद्राचलम स्थित क्षेत्रीय अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही उसे मृत घोषित कर दिया गया। उस दिन शाम तक, गांव के कई और बच्चों में पेट दर्द और चक्कर आने जैसे लक्षण दिखने लगे।

चंद्रपुर: सरकारी स्कूल के खाने में छिपकली मिलने से 30 छात्र बीमार

चंद्रपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक सरकारी आश्रम स्कूल के खाने में छिपकली मिलने से कम से कम 30 छात्र बीमार हो गए हैं। रिपोर्टों के मुताबिक यह घटना मंगलवार को जीवती तालुका के नागराला गांव में अंब्रू नाइक माध्यमिक आश्रम स्कूल में उस समय हुई, जब स्कूल में छात्रों को खाना परोसा गया। खाना खाने के तुरंत बाद कई छात्रों को जी मिचलाना, उल्टी और पेट में तकलीफ की शिकायत हुई। बीमार छात्रों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्कूल प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि खाना बनाते समय उसमें छिपकली गिर गई होगी, जिससे छात्रों को फूड पॉइजनिंग होने का शक है। सभी छात्रों की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों ने खाने के नमूने प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिए हैं और घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद छात्रों के माता-पिता ने इस लापरवाही पर रोष जाहिर किया और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों ने कहा कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उचित कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ ही संस्थान में साफ-सफाई और खाने पान सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ईडी ने कई राज्यों में 14 जगहों पर की तलाशी

टोल चोरी सिंडिकेट से जुड़े संदिग्धों पर मारे छापे

अनऑथोराइज्ड सॉफ्टवेयर के जरिए फर्जी टोल रसीदें बनाकर फंड डाइवर्ट करने का खेल

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने को विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) टोल प्लाजा पर धोखाधड़ी से टोल वसूली से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई शुरू की है। ईडी ने बुधवार को एक साथ कई राज्यों में 14 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। जांच के सिलसिले में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, मध्य प्रदेश, एनसीआर और कोलकाता स्थित परिसरों पर तलाशी ली जा रही है।

जानकारी के मुताबिक ईडी के लखनऊ जोनल ऑफिस ने बुधवार तड़के धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, मध्य प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित परिसरों में तलाशी अभियान चलाया है।

ईडी ने कुछ सूचनाओं के आधार पर इस मामले से जुड़े संदिग्धों के परिसरों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। आरोप है कि अनऑथोराइज्ड सॉफ्टवेयर के जरिए फर्जी टोल रसीदें बनाई जा रही थी। इसके अलावा टोल से मिलने वाली रकम को एनएचएआई के आधिकारिक अकाउंटिंग सिस्टम से बाहर डायवर्ट किया जा रहा था। फॉरेंसिक जांच और एनएचएआई के रिकॉर्ड में ऐसे सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की पुष्टि भी हुई है। ईडी की टीम डिजिटल और दस्तावेजी सबूत जुटा रही है। वहीं ईडी रकम के असली लाभार्थियों और मनी ट्रेल का पता लगाने की कोशिश भी कर रही है। टोल संचालकों, आईटी कर्मियों और आरोपियों के बीच रकम बांटने का आरोप है। ईडी छापेमारी के दौरान डिजिटल रिकॉर्ड खंगाल रही है।

केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर कई टोल संचालक

यूपी एसटीएफ और केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर कई टोल संचालक हैं। वाराणसी से टोल घोटाले के कथित मास्टरमाइंड आलोक सिंह को गिरफ्तार किया गया था। उस पर हरहुआ में रहकर अवैध नेटवर्क ऑपरेट करने का आरोप है। वाराणसी के लाला नगर टोल प्लाजा पर 62.87 करोड़ की स्टांप चोरी के मामले की भी जांच चल रही है। जाँच एजेंसी देशभर के 200 से अधिक टोल प्लाजा की जांच कर रही है, जिनमें से 100 के करीब यूपी के टोल प्लाजा हैं।

सर्वोच्च न्यायालय से केंद्र सरकार को झटका

ओबीसी क्रीमी लेयर आरक्षण फैसले पर रोक से इनकार

नई दिल्ली, देशबन्धु। ओबीसी क्रीमी लेयर आरक्षण पर केंद्र सरकार को झटका लगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने पुराने आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। देश के शीर्ष न्यायालय ने मामले में केंद्र सरकार को कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। अब इस मामले में अदालत ने सभी पक्षों को 17 सितंबर 2026 तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी क्रीमी लेयर आरक्षण मामले में केंद्र सरकार की स्पष्टीकरण याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान बेंच ने केंद्र सरकार को कोई भी अंतरिम राहत देने या अपने पिछले आदेश के अमल पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई की। केंद्र सरकार के कार्मिक मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक स्पष्टीकरण याचिका दायर कर इस फैसले को लागू करने में आ रही व्यावहारिक चुनौतियों का ब्योरा दिया है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से यूपीएससी परीक्षा 2025 की प्रक्रिया पर असर पड़ रहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि यूपीएससी के अनुशंसित 958 उम्मीदवारों के सर्विस एलोकेशन की प्रक्रिया पुराने नियमों के मुताबिक फाइनल स्टेज में थी।

करगिल-लेह पदयात्रा के लिए लद्दाख में तैयारियां तेज

लद्दाख में अधिकार पाने की जंग शुरू, शांतिपूर्ण आंदोलन का ऐलान

केडीए ने पूर्ण समर्थन का वादा किया

जम्मू, देशबन्धु। लद्दाख में अधिकार पाने की जंग की शुरूआत हो गई है। पहले चरण में पदयात्रा की घोषणा की गई है और करगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) ने 10 से 24 सितंबर तक करगिल और लेह के बीच होने वाली पदयात्रा को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। इस पदयात्रा का उद्देश्य लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में इस क्षेत्र को शामिल करने की मांगों को बल देना है, साथ ही 24 सितंबर की घटनाओं के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करना है। गठबंधन ने लद्दाख के लोगों के संवैधानिक और वैध अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक संघर्ष के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। पदयात्रा का समर्थन देने का

निर्णय केडीए के सह-अध्यक्ष असगर अली करबलाई और स'जाद करगिली के साथ-साथ अन्य केडीए सदस्यों और संबंधित हितधारकों की उपस्थिति में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद अंतिम रूप दिया गया।

केडीए के सह-अध्यक्ष असगर अली करबलाई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि गठबंधन लद्दाख के लोगों के संवैधानिक, लोकतांत्रिक और वैध अधिकारों को शांतिपूर्ण तरीकों से लगातार हासिल करने का प्रयास करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और भारत सरकार करगिल और लेह जिलों के निवासियों के वैध अधिकारों और मांगों को स्वीकार नहीं कर लेते और उन पर ध्यान नहीं देते। लद्दाख की आकांक्षाओं के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए सोशलिस्ट पार्टी और विभिन्न नागरिक एवं राजनीतिक संगठनों द्वारा पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस पदयात्रा का उद्देश्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर क्षेत्र की सामूहिक आवाज को उजागर करना है।

10 को करगिल से शुरू होगी

प्रस्तावित पदयात्रा 10 सितंबर को करगिल से शुरू होगी, और हनीस्कोट तक समन्वय की जिम्मेदारी केडीए की होगी। हनीस्कोट से आगे लेह तक का समन्वय लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) द्वारा किया जाएगा। यह रैली 24 सितंबर को लेह में मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ समाप्त होगी। यह पदयात्रा 24 सितंबर, 2025, जो एक त्रासदी का दिन था जब लेह में विरोध प्रदर्शनों के दौरान चार युवाओं ने अपनी जान गंवाई थी, की घटनाओं की याद में आयोजित की जा रही है जबकि सैकड़ों अन्य घायल हुए और हिरासत में लिए गए। इस पदयात्रा का उद्देश्य पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करना और न्याय, जवाबदेही और इस घटना के कारणों के निष्पक्ष समाधान के लिए दबाव बनाना है। सांसदों, नागरिक समाज प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और देश भर की जानी-मानी हस्तियों सहित कई प्रमुख व्यक्तियों के इस पदयात्रा में शामिल होने की उम्मीद है।

पात्र विद्यार्थियों को शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाएं : विशेन

सागर, देशबन्धु। शिक्षा विभाग की जिलास्तरीय समीक्षा बैठक में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण शत्रुंजय प्रताप सिंह विशेन ने अधिकारियों एवं प्राचार्यों को निर्देश दिये कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ विद्यालयों में अध्ययनरत सभी पात्र विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत दिलाया जाये। उन्होंने नवभारत साक्षरता उल्लास कार्यक्रम के तहत असाक्षर व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें साक्षर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिये। कलेक्टर के निर्देश पर आयोजित बैठक में विशेन ने कहा कि सभी प्राचार्य अपने विद्यालय एवं आसपास के ग्रामों में असाक्षर व्यक्तियों को चिन्हित कर उनका पोर्टल पर पंजीयन करायें। विद्यार्थियों को अक्षर सारथी बनाकर असाक्षरों को साक्षर करने के लिये प्रेरित किया जाये, ताकि जिले को पूर्ण साक्षर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। प्राचार्यों से वन.टू.वन चर्चा कर सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा की तथा निर्देश दिये कि संबंधित प्रकरणों में व्यक्तिगत संपर्क कर उनका संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाये। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने कहा कि तिमाही परीक्षा परिणाम घोषित होने के तत्काल बाद कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हित कर उनकी अतिरिक्त कक्षायें लगाई जायें। सभी हाई एवं हायर सेकंडरी विद्यालयों में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिये अभी से विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने तथा विद्यार्थियों का लगातार पुनरावर्तन कराने, शिक्षकों, प्राचार्यों एवं विद्यालय में पदस्थ अन्य कर्मचारियों को समय सीमा में ई.अटेंडेंस लगाने और पूरे समय विद्यालय में उपस्थित रहने, विद्यालयों में टीवी पैनल एवं अन्य डिजिटल संसाधनों के माध्यम से अध्ययन अध्यापन कार्य कराने, विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति के लिये अभिभावकों से लगातार संपर्क बनाये रखने के निर्देश दिये। जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी उमाशंकर चाचौंडिया ने नवभारत साक्षरता अभियान के अंतर्गत असाक्षरों के सर्वे, एनआईएलपी-एमपी एप पर पंजीयन तथा अक्षर साथी के पंजीयन की जानकारी दी और प्राचार्यों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। योजना अधिकारी अभय श्रीवास्तव ने एसबीआई बैंक में खोले जाने वाले खातों की समीक्षा की तथा सीडब्ल्यूएसएन विद्यार्थियों की निर्धारित प्रपत्र में अभिलेख सहित जानकारी तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में जीर्ण शीर्ण शाला भवनों, अतिरिक्त कक्ष, कक्षा 1, 6 एवं 9 में नामांकन, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं साइकिल वितरण, आईसीटी लैब, इंटरेक्टिव पैनल एवं स्मार्ट टीवी के संचालन, एक पेड़ मां के नाम, अपार आईडी, आधार एवं एमबीयू, यूडाइस प्लस पोर्टल पर छात्र प्रोग्रेशन तथा उमंग एवं उज्ज्वल सत्रों के संचालन की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रभारी सहायक संचालक मनीषा एलेक्जेंडर, डाइट प्राचार्य अखिलेश पाठक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बीना से अयोध्या तक निकली पदयात्रा का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

सागर, देशबन्धु। धार्मिक स्थलों के नाम पर एकत्रित किये जाने वाले चंदे के कथित दुरुपयोग और चंदा चोरी के विरोध में कांग्रेस नेता एड. पीपी नायक के नेतृत्व में बीना से अयोध्या तक निकाली जा रही पदयात्रा बुधवार को सागर पहुंची। जिला ग्रामीण कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने यात्रा का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया। यात्रा का शुभारंभ 1 सितंबर को बीना से हुआ था। सागर पहुंचने पर पदयात्रियों का नई गल्ला मंडी से स्वागत करते हुये यात्रा राहतगढ़ बस स्टैंड, विजय टॉकीज चौराहा होते हुये तिलकगंज पहुंची, जहां रात्रि विश्राम किया गया। इसके बाद यात्रा पुनः प्रारंभ होकर सिविल लाइन और मकरोनिया पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पदयात्रियों का स्वागत किया। तिलकगंज से अगले पड़ाव के लिये रवाना होने से पूर्व वरिष्ठ कांग्रेस नेता पुरुषोत्तम मुन्ना चौबे, जिला ग्रामीण कांग्रेस संगठन महासचिव आशीष ज्योतिषी और जिला शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल चौबे ने यात्रा को विदा किया। मकरोनिया में जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष भूपेंद्र मुहासा के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस मकरोनिया के अध्यक्ष देवेंद्र कुर्मी के नेतृत्व में यात्रा का स्वागत किया गया। यह पदयात्रा 8 सितंबर को अयोध्या पहुंचेगी। यात्रा के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में लोगों से संवाद कर चंदे के उपयोग में पारदर्शिता की मांग को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान संगठन महासचिव आशीष ज्योतिषी, उपाध्यक्ष अभिषेक गौर, हेमंत लारिया, संजय रोहिदास, आनंद सोलंकी, जय पाराशर, जयदीप तिवारी, कमल चौधरी, मनोज गुप्ता, सिद्धांत तिवारी, अजय अहिरवार, राहुल राज सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जरूरतमंद मरीजों के इलाज में मददगार बनेंगे मनी सिंह गुरोन, अपने खर्चे से देंगे 1 लाख रुपए की अस्पताल पर्चियां

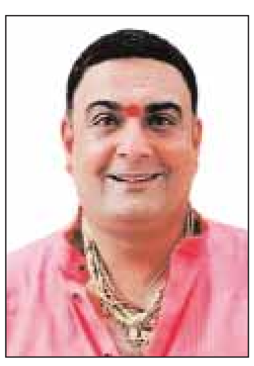

सागर, देशबन्धु। पंजाब की जनता के लिये सेवा और सहयोग की भावना से मनी सिंह गुरोन ने एक अनूठी पहल की है। वे इसी सप्ताह सचखंड एक्सप्रेस से पंजाब रवाना होंगे। लुधियाना पहुंचकर वे इकबाल नर्सिंग होम में जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिये अपने खर्चे से करीब 1 लाख रुपये की अस्पताल पर्चियां कटवायेगे। गुरोन की इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को उपचार और अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करना है। उनका प्रयास रहेगा कि जिन जरूरतमंद लोगों के लिये इलाज का खर्च उठाना मुश्किल है, उन्हें इस पहल के माध्यम से राहत मिल सके। साथ ही अस्पताल की ओपीडी और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी भी जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाई जायेगी। मनी सिंह गुरोन की ओर से की जा रही यह पहल मानव सेवा को सर्वोपरि मानते हुये जरूरतमंदों के साथ खड़े होने का संदेश देती है। अपने खर्चे से एक लाख रुपये की अस्पताल पर्चियां उपलब्ध कराने का यह प्रयास जरूरतमंद मरीजों के लिए उपचार की राह आसान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आज होगा नवनियुक्त एल्डरमैन का शपथ ग्रहण समारोह

सागर, देशबन्धु। शासन द्वारा नियुक्त किये गये नवनियुक्त एल्डरमैन का शपथ ग्रहण समारोह आज प्रातः 11 बजे नगर निगम के सभाकक्ष में आयोजित किया जायेगा। समारोह में नगर निगम के 8 नवनियुक्त एल्डरमैन पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों के साथ नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी तथा नागरिक उपस्थित रहेंगे।

बिलहरा में आज होगा जनसंवाद व समस्या निवारण शिविर

सागर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लोक सेवाओं को समय सीमा में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज नगर परिषद बिलहरा में जनसंवाद कार्यक्रम एवं समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा। शिविर में कलेक्टर प्रतिभा पाल सहित जिला एवं ब्लॉक स्तर के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहेंगे। नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं को अधिकारियों द्वारा सीधे सुना जायेगा तथा मौके पर ही उनके निराकरण का प्रयास किया जायेगा। मुख्यमंत्री जन.विश्वास अभियान के अंतर्गत नगर परिषद सुरखी एवं बिलहरा क्षेत्र के नागरिक इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी शिकायतें एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे।

हजारिया महादेव को राखी बांध की सुख समृद्धि की कामना की

बीना, देशबन्धु। रक्षाबंधन के मौके पर बस स्टैंड के पास कुटी मंदिर में विराजमान हजारिया महादेव को बड़ी राखी बांधी गई। परमार्थ सेवा संगठन के सदस्यों और शिव भक्तों ने भगवान महादेव को राखी बांधकर नगर, प्रदेश और देश की सुख समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और मंगल की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्ति का माहौल रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान महादेव के जयकारे लगाये। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा हजारिया महादेव के फूलों से आकर्षक श्रृंगार के साथ हुई। मंदिर के पुजारी नितेश तिवारी ने विधि विधान से भगवान महादेव का पूजन किया। इसके साथ ही भगवान को पहनाई जाने वाली बड़ी राखी का भी पूजन किया गया। इसके बाद मौजूद भक्तों ने मिलकर बाबा हजारिया महादेव को बड़ी राखी पहनाई। श्रद्धालुओं ने भगवान से सभी की रक्षा और सुख शांति की प्रार्थना की। कार्यक्रम संयोजक उमेश शर्मा ने बताया कि उज्जैन में बाबा महाकाल को रक्षाबंधन पर बड़ी राखी पहनाने की परंपरा है। इसी से प्रेरणा लेकर बीना में भी हजारिया महादेव को सामूहिक रूप से बड़ी राखी पहनाने का सिलसिला शुरू किया गया है। इस साल यह आयोजन दूसरी बार किया गया। भक्त डालचंद पटेल ने बताया कि इस साल भगवान महादेव को राखी पहनाने का मौका समाजसेवी अनिल ओझा को मिला। भक्त उदल यादव ने बताया कि भगवान की पोशाक तैयार करने वाले इटावा के गौरीशंकर, पप्पू सोनी और लवली ट्रेलर ने राखी बनाई थी। समाजसेवी प्रमोद राय ने कहा कि रक्षाबंधन पर बाबा हजारिया महादेव को राखी पहनाकर सभी भक्तों की रक्षा और परिवारों में सुख शांति की प्रार्थना की गई। राखी बांधने के बाद श्रद्धालुओं ने मिलकर नमः शिवाय का कीर्तन किया और भगवान महादेव की आरती की। इस मौके पर समिति के सदस्यों ने पुलिस थाने पहुंचकर थाना प्रभारी सहित स्टाफ को भी राखी बंधवाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिव भक्त मौजूद थे।

विधायक की पहल पर बीना को 2776 करोड़ की फोरलेन सड़क की सौगात

मेलुहा-बीना-खिमलासा से मालथौन तक 67.116 किमी मार्ग होगा 4 लेन मय शोल्डर, करीब 60 मीटर चौड़ा होगा रोड कॉरिडोर

बीना, देशबन्धु। बीना विधानसभा क्षेत्र की सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में बड़ी परियोजना को मंजूरी मिली है। मेलुहा-बीना-खिमलासा से मालथोन तक एसएच-61 के 67.116 किलोमीटर मार्ग का करीब 2776 करोड़ रुपये की लागत से 4 लेन मय शोल्डर निर्माण किया जायेगा। परियोजना के तहत लगभग 60 मीटर चौड़े रोड कॉरिडोर का निर्माण प्रस्तावित है। इसका क्रियान्वयन मप्र सड़क विकास निगम द्वारा किया जायेगा। इस परियोजना को बीना विधायक एड. निर्मला सप्रे द्वारा सड़क एवं औद्योगिक कनेक्टिविटी को लेकर किये गये प्रयासों की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। विधायक ने 16 मई 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मेलुहा चौराहा से मालथोन तक मार्ग को फोरलेन में उन्नयन एवं चौड़ीकरण किये जाने की मांग उठाई थी। विधायक ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बीना के बढ़ते औद्योगिक महत्व और भविष्य में बढ़ने वाले यातायात का उल्लेख किया था। क्षेत्र में बीपीएसीएल रिफाइनरी विस्तार परियोजना, जैपी पावर प्लांट, बीना रेलवे जंक्शन और औद्योगिक क्लस्टर जैसी महत्वपूर्ण परियोजनायें एवं संस्थान हैं। रिफाइनरी विस्तार के बाद भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ने की संभावना को देखते हुये बेहतर सड़क अधोसंरचना की आवश्यकता बताई गई थी। अब फोरलेन सड़क बनने से औद्योगिक कच्चे माल और तैयार उत्पादों की आवाजाही सुगम होने के साथ परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इससे व्यापार, उद्योग, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलने की संभावना है। मेलुहा चौराहा से मालथौन तक का यह मार्ग रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह मेलुहा के एनएच-346 को मालथौन के एनएच-44 से जोड़ता है। ऐसे में एसएच-61 के फोरलेन में विकसित होने से बीना क्षेत्र को प्रमुख राष्ट्रीय मार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। फोरलेन एवं शोल्डर निर्माण से भविष्य में बढ़ने वाले भारी यातायात के दबाव को कम करने, वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने तथा सड़क सुरक्षा में सुधार की उम्मीद है। रेलवे और औद्योगिक गतिविधियों के कारण बीना पहले से ही महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र है। अब सड़क अधोसंरचना के विस्तार से इसकी स्थिति और मजबूत होने की संभावना है। मेलुहा-बीना-खिमलासा-मालथोन कॉरिडोर के विकसित होने से बीना को आसपास के क्षेत्रों और प्रमुख राष्ट्रीय मार्गों से बेहतर संपर्क मिलेगा। विधायक द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में दिल्ली-नागपुर औद्योगिक कॉरिडोर से बेहतर कनेक्टिविटी के दृष्टिकोण से भी इस मार्ग के महत्व को रेखांकित किया गया था। सड़क निर्माण से औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। विधायक सप्रे ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिये मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में बीना के औद्योगिक, व्यापारिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण अधोसंरचना साबित हो सकती है। यह रोड कॉरिडोर बीना की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ क्षेत्र के विकास के लिये नये अवसरों का मार्ग खोल सकता है।

झटका मशीन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

सागर, देशबन्धु। महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम श्रीनगर में खेत में काम करने गये एक मजदूर की झटका मशीन के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई है। बचाने गये मजदूरों को भी करंट का झटका लगा है। मजदूरों को देवरी अस्पताल लाया गया। जांच चेकअप के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। मृतक अपने परिवार का इकलौता बेटा था। जानकारी के अनुसार बुधवार को मजदूर खेत में काम करने गये थे। छुट्टी होने के बाद वे खेत की मेड़ पर पहुंचे। तभी मजदूर राजू पिता देवी गौंड 20 वर्ष के हाथ झटका मशीन की तार फेंसिंग के संपर्क में आ गये। जिससे उसे करंट लगा, घटना पर मौजूद साथी मजदूर बचाने पहुंचे। जहां मजदूर सौरभ काछी, कमलेश, तेजबल, विकास, अभिषेक और अन्य को भी करंट का झटका लगा। घटना के बाद मजदूरों को देवरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां मजदूर राजू को चेकअप के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि दिन के समय झटका मशीन में करंट चालू रखा गया, जिससे यह घटना हुई है। उन्होंने मामले की जांच कर लापरवाही करने वालों पर कार्यवाही की मांग की है। मामले में महाराजपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर देर शाम देवरी पहुंचकर शव का पंचनामा बनाया, घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक के पिता देवी सिंह गौड़ ने बताया कि बेटा राजू खेत पर मजदूरी करने गया था। जहां झटका मशीन की फेंसिंग में बिजली का करंट प्रवाहित हो रहा था। जिसमें राजू चपेट में आ गया। जिसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया है।

प्रत्येक मातृ मृत्यु प्रकरण में बैक ट्रैक कर होगी कारणों की जांच

स्वास्थ्य विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा करते हुये कलेक्टर ने प्रत्येक मातृ मृत्यु प्रकरण में बैक ट्रैक कर मृत्यु के कारणों की जांच करने के निर्देश दिये। उन्होंने हाई रिस्क प्रेगनेंसी एचआरपी वाली महिलाओं का गंभीरता से चिन्हांकन करने तथा यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पात्र महिला चिन्हांकन से न छूटे। एचआरपी महिलाओं के प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ एनीमिया एवं सीवियर एनीमिया के विकासखंडवार चिन्हांकन का प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने आशा कार्यकर्ताओं की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुये लापरवाही बरतने एवं कार्य नहीं करने वाली आशा कार्यकर्ताओं तथा संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध नोटिस जारी कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। एचबीएनसी होम बेस्ड न्यूबॉर्न केयर में शून्य विजिट वाली आशा कार्यकर्ताओं को नोटिस देकर सेवा समाप्ति की कार्यवाही के निर्देश दिये। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को आपसी लाइव कम्युनिकेशन बनाये रखने तथा जमीनी स्तर से प्राप्त स्वास्थ्य संबंधी डेटा को नियमित रूप से अनमोल पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये।

केंद्रीय जेल में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई बलराम जयंती

सागर, देशबन्धु। केंद्रीय जेल में बुधवार को बलराम जयंती के पावन अवसर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में जेल में निरुद्ध बंदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुये भगवान बलराम के जीवन, चरित्र और आदर्शों से प्रेरणा ली। कार्यक्रम के अंतर्गत पं. जगदीश तिवारी द्वारा भगवान बलराम के जीवन, व्यक्तित्व, चरित्र एवं आदर्शों पर आधारित प्रेरणादायी कथा का वाचन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित बंदियों ने श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण किया। कथा के माध्यम से भगवान बलराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों और उनके आदर्शों को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कथा वाचन के उपरांत जेल में निरुद्ध बंदियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण एवं भगवान बलराम की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई। झांकी में भगवान कृष्ण और बलराम के स्वरूप को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। इसके साथ ही बंदियों की भजन मंडलियों द्वारा भगवान बलराम के जीवन एवं महिमा पर आधारित विभिन्न भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। बंदियों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक, जेलर सहित जेल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जहां जरूरत दिखी, वही विकास पहुंचा, विधायक ने रखी सड़क की नींव

मकरोनिया, देशबन्धु। हरछठ हलषष्ठी एवं बलदाऊ जयंती के पावन अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया ने नगर पालिका मकरोनिया के वार्ड क्र.4 में राजेश अहिरवार के मकान से प्रधानमंत्री सड़क तक 7.77 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड का भूमिपूजन किया। वर्षा ऋतु में मार्ग पर आवागमन को लेकर वार्डवासियों को हो रही परेशानी को दृष्टिगत रखते हुये विधायक लारिया ने त्वरित पहल करते हुये सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता की जरूरत के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देना और उन्हें समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारना ही हमारा संकल्प है। वार्ड और क्षेत्र की प्रत्येक आवश्यक समस्या का समाधान प्राथमिकता के साथ कराया जायेगा तथा विकास की गति निरंतर जारी रहेगी। भूमिपूजन अवसर पर नपाध्यक्ष मिहीलाल, पार्षद, नागरिक एवं मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

सीएमओ ने किया वार्डों का औचक निरीक्षण, समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश

देवरी, देशबन्धु। नगर पालिका देवरी के सीएमओ मनोहर बिझवार एवं सब इंजी. खेमरिया ने बुधवार को सुभाष वार्ड, पटेल वार्ड एवं पृथ्वी वार्ड का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, सड़क एवं नालियों की स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्यायें सुनी। निरीक्षण में बारिश के कारण कई कच्ची सड़कों पर कीचड़ की स्थिति सामने आई, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। नागरिकों ने सड़क, नाली, सफाई और स्ट्रीट लाइट से संबंधित समस्यायें अधिकारियों के समक्ष रखीं। सीएमओ ने समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन देते हुये सब इंजी. को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। सीएमओ ने कहा कि नगरवासियों को मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कच्ची एवं कीचड़ग्रस्त सड़कों पर आवश्यकतानुसार पक्की सड़क और नाली निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। अधिकारियों के औचक निरीक्षण और सीधे संवाद से वार्डवासियों को समस्याओं के जल्द समाधान की उम्मीद जगी है।

37 साल की पुलिस सेवा के बाद आईजी मिथिलेश कुमार शुक्ला को भावभीनी विदाई

सागर, देशबन्धु। पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला भापुसे के सेवानिवृत्त होने पर पुलिस की ओर से भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रशासनिक, पुलिस एवं राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सागर एवं दमोह जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्ला के लगभग 37 वर्षों के गौरवशाली पुलिस सेवाकाल को याद करते हुये उनके कुशल नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता, अनुशासनप्रियता, संवेदनशील कार्यशैली और पुलिसिंग के प्रति समर्पण की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य और प्रभावी नेतृत्व के साथ कानून व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। समारोह में कमिश्नर, सीसीएफ सागर, डीआईजी सागर, कलेक्टर सागर, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, पुलिस अधीक्षक दमोह, विशेष शाखा एवं लोकायुक्त के अधिकारी, 10 वीं वाहिनी के अधिकारी, निगमायुक्त सहित एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया, सीएसपी ललित कश्यप और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मिथिलेश कुमार शुक्ला ने 1 अक्टूबर 1989 को डीएसपी के पद से पुलिस सेवा में प्रवेश किया था। करीब 37 वर्षों के सेवाकाल में उन्होंने मप्र के विभिन्न जिलों और महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवायें दीं। शिवपुरी, दंतेवाड़ा, हरदा, बड़ामलहरा, बालोद, कोरबा एवं सेंधवा में एसडीओपी, सीएसपी के रूप में कार्य करने के बाद उन्होंने टीकमगढ़ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभाली। पुलिस अधीक्षक के रूप में उन्होंने रीवा, नरसिंहपुर, सिवनी, सिंगरौली, छिंदवाड़ा, सतना, कटनी एवं होशंगाबाद सहित विभिन्न जिलों में सेवायें दी। इसके बाद जबलपुर, रीवा, भोपाल एवं ग्वालियर में डीआईजी, आईजी के महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। शुक्ला की उत्कृष्ट पुलिस सेवाओं के लिये उन्हें कई महत्वपूर्ण सम्मान प्राप्त हुये। वर्ष 2004 में राज्यपाल पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री पुरस्कार, वर्ष 2014 में सराहनीय सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक तथा वर्ष 2026 में विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। विदाई समारोह में अधिकारियों ने उनके सौम्य व्यवहार, स्पष्ट निर्णय क्षमता, अधीनस्थों के प्रति मार्गदर्शन की भावना और कठिन परिस्थितियों में संयमित नेतृत्व की विशेष सराहना की। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान व्यक्त किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय भावी जीवन की शुभकामनायें दी। अधिकारियों ने कहा कि शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति दायित्वों से विराम है, लेकिन जनसेवा के प्रति समर्पण कभी सेवानिवृत्त नही होता। उनका अनुभव और कार्यशैली आने वाले समय में भी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी।

बारिश के मौसम में मच्छरों और दूषित पानी से बढ़ता है संक्रमण का खतराः डॉ. साद

आईएमए ने छपरा में लगाया वर्षाकालीन रोग जागरूकता शिविर, डेंगू-मलेरिया से बचाव के बताए उपाय

सागर, देशबन्धु। वर्षाकाल में बढ़ने वाले संक्रामक रोगों से बचाव के लिये इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सागर शाखा द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर छपरा में वर्षाकालीन रोग जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और वायरल बुखार के कारण, लक्षण, बचाव तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व की जानकारी आमजन को दी गई। आईएमए सागर अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद ने कहा कि बारिश के मौसम में जलभराव, मच्छरों की बढ़ती संख्या, दूषित पानी और अस्वच्छ वातावरण के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बीमारी होने के बाद उपचार कराने के बजाय समय रहते बचाव के उपाय अपनाना अधिक प्रभावी है। डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिये मच्छरों की रोकथाम बेहद जरूरी है। घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिये। कूलर, गमले, टायर, पानी की टंकियों सहित अन्य पात्रों में जमा पानी को नियमित रूप से खाली कर साफ करना चाहिये। सोते समय मच्छरदानी तथा आवश्यकता के अनुसार मच्छररोधी साधनों का उपयोग किया जाना चाहिये। डॉ. साद ने कहा कि तेज बुखार को सामान्य वायरल बुखार मानकर स्वयं दवा लेना उचित नहीं है। तेज बुखार के साथ सिरदर्द, शरीर में दर्द, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, पेट दर्द, रक्तस्राव या अन्य गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिये। डेंगू की आशंका में बिना चिकित्सकीय परामर्श के दवाओं का सेवन नही करना चाहिये। शिविर में मलेरिया के लक्षणों की जानकारी देते हुये बताया कि ठंड लगकर बुखार आना, पसीना आना, सिरदर्द और कमजोरी जैसे लक्षण होने पर समय पर जांच और उपचार जरूरी है। वही टाइफाइड से बचाव के लिये स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल, साफ भोजन और हाथों की नियमित सफाई पर जोर दिया गया। वायरल बुखार से बचाव के लिये पर्याप्त आराम, तरल पदार्थों का सेवन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार लेने की सलाह दी गई। लोगों से अपील की गई कि घर और आसपास स्वच्छता रखें, पानी जमा न होने दें, मच्छरों की उत्पत्ति रोकें तथा बुखार होने पर समय पर चिकित्सक से संपर्क करें। स्वयं से एंटीबायोटिक या अन्य दवायें लेने से भी बचें। डॉ. साद ने कहा कि वर्षाकालीन बीमारियों की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। आईएमए सागर ने आगामी दिनों में भी जन जागरूकता और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से मौसमी एवं संक्रामक रोगों से बचाव के लिये जागरूकता अभियान जारी रखने की बात कही।

विधायक ने कलेक्टर व निगमायुक्त के साथ की विकास कार्यों की समीक्षा

ऑडिटोरियम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और ट्रांसपोर्ट नगर सहित विभिन्न प्रोजेक्ट पर चर्चा

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर प्रतिभा पाल एवं निगमायुक्त राजकुमार खत्री के साथ शहर में चल रहे एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति, कार्यों में आ रही बाधाओं तथा लंबित प्रोजेक्ट को गति देने को लेकर चर्चा हुई। विधायक जैन ने ऑडिटोरियम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासनिक एवं तकनीकी अड़चनों का शीघ्र निराकरण कर विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सागर में तेजी से विकास हो रहा है और शहरवासियों की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। ऑडिटोरियम बनने से सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिये बेहतर मंच मिलेगा, जबकि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से युवाओं और खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधायें उपलब्ध होंगी। ट्रांसपोर्ट नगर के विकास से भारी वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि विकास परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब न हो और किसी भी स्तर पर आ रही समस्या का संबंधित विभागों के समन्वय से शीघ्र समाधान किया जाये। उन्होंने नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग के माध्यम से सभी परियोजनाओं को गति देने की आवश्यकता बताई। बैठक में कलेक्टर एवं निगमायुक्त ने विभिन्न प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति और आगामी कार्यवाही की जानकारी दी। विकास कार्यों को गति देने तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिये समन्वय के साथ कार्य करने पर सहमति बनी।

बीना से अयोध्या जा रही कांग्रेस की यात्रा का शाहगढ़ में प्रवेश, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

शाहगढ़, देशबन्धु। अयोध्या के रामलला मंदिर में चंदा एवं चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर भाजपा से सवाल करने और जनता से जवाब लेने के उद्देश्य से कांग्रेस द्वारा बीना के कटरा मंदिर से शुरू की गई अयोध्या चलो यात्रा बुधवार को शाहगढ़ पहुंची। यात्रा का नेतृत्व कांग्रेस नेता पीपी नायक कर रहे हैं। शाहगढ़ पहुंचने पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से यात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने यात्रा में शामिल नेताओं का स्वागत करते हुये कांग्रेस के अभियान को समर्थन दिया। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने अयोध्या मंदिर से जुड़े चंदा एवं चढ़ावे के मामले में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लेकर जनता के बीच अपनी बात रखी। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष श्रीराम यादव, पूर्व नगर अध्यक्ष दीपक सिंघई, वरिष्ठ नेता सुशील गुप्ता, लोक राम विश्वकर्मा, बलवंत बुंदेला, वृती सेठ, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शिवाजी राजा नरवां, मंडलम अध्यक्ष रघुवीर यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फिल्म हनुमान अंश में गूंज रही सुरखी के सुनील लोधी की आवाज, मंत्री राजपूत ने भेंट की नई पल्सर मोटरसाइकिल

नेत्रों की कमजोरी को नहीं बनने दिया सफलता की राह में बाधा, भजन मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान हो रहा लोकप्रिय

सागर, देशबन्धु। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम आगरा निवासी सुनील लोधी ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अब फिल्मी दुनिया में भी पहचान बनाई है। फिल्म हनुमान अंश में सुनील लोधी की आवाज में गाया गया भजन मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डार दई इन दिनों लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। सुनील की सुरीली आवाज और भक्ति भाव से परिपूर्ण गायन को खूब पसंद किया जा रहा है। सुनील लोधी की इस उपलब्धि से सुरखी क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुये मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने उनसे मुलाकात कर शुभकामनायें दी। मुलाकात के दौरान मंत्री राजपूत ने सुनील से आत्मीयता से उनकी इच्छा पूछी। इस पर सुनील ने पल्सर बाइक लेने की इच्छा जताई। सुनील की इच्छा सुनकर मंत्री राजपूत ने तत्काल उन्हें नई पल्सर बाइक उपहार स्वरूप भेंट की। इस अवसर पर मंत्री राजपूत ने कहा कि सुनील जन्म से ही नेत्रों की कमजोरी से जूझ रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसे कभी अपनी सफलता की राह में बाधा नहीं बनने दिया। मेहनत, लगन और कला के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। सुनील की उपलब्धि ने पूरे सुरखी विधानसभा क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। मंत्री राजपूत के पुत्र एवं युवा नेता आकाश सिंह राजपूत द्वारा लंबे समय से सुनील को मंच उपलब्ध कराकर उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित किया जाता रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों में सुनील के गीत और भजनों की प्रस्तुतियां कराई गई। युवा शक्ति संगठन के माध्यम से भी उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के प्रयास किये गये। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का कहना है कि ग्रामीण अंचलों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने की है। खेल, कला, संस्कृति और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। सुनील लोधी को बाइक भेंट करना भी इसी प्रोत्साहन की कड़ी माना जा रहा है। सुनील लोधी ने बाइक भेंट करने और प्रोत्साहित करने के लिये मंत्री राजपूत का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मिला यह सम्मान और प्रोत्साहन उन्हें संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये नई प्रेरणा देगा।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद के लिये रि.काउंटिंग स्थगित

सागर, देशबन्धु। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। 2 सितंबर को होने वाली पुनर्मतगणना री.काउंटिंग पर रोक लगा दी गई है। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। दरअसल अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अधिवक्ता संजय द्विवेदी ने राज्य अधिवक्ता परिषद में अपील की थी, इस पर विशेष समिति ने सुनवाई की। सुनवाई में संजय द्विवेदी और जिला अधिवक्ता संघ सागर के निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता केपी दुबे को वर्चुअली जोड़ा गया। संजय द्विवेदी ने अपनी अपील के आधार और तथ्यों के बारे में बताया। वहीं निर्वाचन अधिकारी ने अपना जवाब प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद के चुनाव परिणाम का प्रमाण पत्र अभी तक जारी नहीं किया गया है। 21 अगस्त को मतदान हुआ था और 22 अगस्त को मतगणना की गई। संजय द्विवेदी का अपनी अपील में कहना है कि 1350 मतपत्र पढ़े गये थे, लेकिन 1355 मतपत्रों की गणना की गई। इसके बाद उनके मतगणना अधिकर्ता ने निर्वाचन अधिकारी से दोबारा मतगणना कराने के लिये आवेदन दिया था। आवेदन पर निर्वाचन अधिकारी ने पहले पुनर्मतगणना कराने की बात लिखकर हस्ताक्षर किये थे। बाद में उन्होंने आवेदन निरस्त कर दिया। इसके लिये कारण बताया गया कि आवेदन में पुनर्मतगणना का आधार नहीं दिया गया था। उम्मीदवार और निर्वाचन अधिकारी के जवाब के बाद मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद की विशेष समिति ने 2 सितंबर को अध्यक्ष पद की पुनर्मतगणना कराने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद अध्यक्ष पद पर मौखिक रूप से जीत का दावा कर रहे अंकलेश्वर दुबे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अब हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद ही मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

▸ 1350 वोट डले, गिनती में 1355 होने के आरोप पर विवाद

सेवा और जनकल्याण के संकल्प के साथ जन-जन तक पहुंचेगी भाजपाः श्याम तिवारी

सागर, देशबन्धु। 17 सितंबर से शुरू होने वाले एक माह के सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होने वाले सेवा, जनकल्याण और जनसंपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन की कार्ययोजना तैयार की गई। अभियान के सुचारु संचालन के लिये जिलास्तरीय टोली गठित कर पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे गये। बैठक को संबोधित करते हुये श्याम तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभालने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र का नेतृत्व करने तक संवैधानिक पद पर जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण किये हैं। उनकी सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्रहित को समर्पित यात्रा जनसेवा के प्रति अटूट संकल्प की प्रेरणा देती है। इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान को व्यापक स्वरूप दिया जायेगा। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभार्थियों से संपर्क करेंगे और पात्र नागरिकों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनका लाभ पहुंचाने में सहयोग करेंगे। अभियान के तहत विभिन्न सेवा एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। श्याम तिवारी ने कहा कि अभियान को केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला तक सीमित न रखते हुये इसे व्यापक जनसेवा और जनसंपर्क अभियान बनाया जाये। अभियान के दौरान 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस, 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती तथा 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक पद पर जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिले भर में सेवा, स्वच्छता, जनकल्याण एवं जनसंपर्क गतिविधियों को व्यापक स्तर पर संचालित किया जायेगा। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि अभियान के प्रभावी संचालन के लिये जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ गुरैया को संयोजक बनाया गया है। विधायक शैलेंद्र जैन, निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, जिला महामंत्री सुमित यादव, नितिन सोनी एवं तृप्ति सिंह लोधी को टोली में सदस्य बनाया गया है। यह टोली अभियान से जुड़ी गतिविधियों के क्रियान्वयन एवं समन्वय की जिम्मेदारी संभालेगी। बैठक में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षिका सविता जैन के सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई

सागर, देशबन्धु। शास. माध्य. कन्या शाला सिंधी कैंप सुभाषनगर में शिक्षिका सविता जैन के सेवानिवृत्त होने पर विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद प्रभात जैन रहे। अध्यक्षता संकुल प्राचार्य महेन्द्र कुमार एवं संस्था प्रमुख विनीत चौहान ने की। कार्यक्रम में शाला के शिक्षकों एवं छात्राओं ने सविता जैन का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने सविता जैन के शिक्षकीय जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। संस्था प्रमुख विनीत चौहान एवं संकुल प्राचार्य महेन्द्र कुमार ने उनके अनुशासित कार्य व्यवहार, कर्तव्यों के प्रति सजगता और समर्पण की प्रशंसा करते हुये कहा कि उनके कार्यकाल से सभी शिक्षकों को प्रेरणा लेनी चाहिये। शिक्षिका सत्येंद्र कौर एवं क्षमा पांडे ने गीत प्रस्तुत किये। समारोह में शाला के शिक्षक शिक्षिकायें, स्टाफ, छात्रायें, परिवारजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। अंत में उपस्थितजनों ने सविता जैन के सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये दीर्घायु एवं आगामी जीवन के लिये शुभकामनायें दी।

अंबेडकर पार्क में विधायक ने किया पौधारोपण

सागर, देशबन्धु। अंबेडकर वार्ड स्थित अंबेडकर पार्क में विधायक शैलेंद्र जैन ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान पार्क परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाये गये, साथ ही हरित क्षेत्र विकसित करने के उद्देश्य से मियावाकी पद्धति से भी पौधारोपण किया गया। विधायक जैन ने कहा कि पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण और नियमित देखभाल भी जरूरी है। उन्होंने संबंधित लोगों को पौधों की नियमित सिंचाई एवं देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिये, साथ ही पार्क परिसर में लगी पानी की टंकी से पौधों को नियमित पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने कहा कि वृक्ष स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण के आधार हैं। लगाये गये पौधों का संरक्षण कर ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिये बेहतर पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, पार्षद धर्मेन्द्र खटीक, विशाल खटीक सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर समरस समाज का निर्माण ही संत रविदास को सच्ची श्रद्धांजलिः अविराज सिंह

मालथौन, देशबन्धु। संत शिरोमणि रविदास की 650 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा निकाली जायेगी। युवा नेता अविराज सिंह ने कहा कि जात-पात, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर समरस समाज का निर्माण करना ही संत रविदास को सच्ची श्रद्धांजलि है। संत रविदास ने अपने जीवन और वाणी से मानवता, समानता, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया। उनकी शिक्षायें आज भी समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। सामाजिक समरसता केवल विचारों तक सीमित न रहकर हमारे व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिये। अविराज ने कहा कि संत रविदास का संदेश था कि मनुष्य की महानता उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके विचारों, कर्मों और सदाचार से निर्धारित होती है। उनकी प्रसिद्ध पंक्ति ऐसा चाहूं राज मैं, मिले सबन को अन्न, छोट-बड़ो सब सम बसे समानता और सम्मानपूर्ण जीवन की भावना को दर्शाती है। संत रविदास की स्मृति और विचारों को आने वाली पीढ़ियों से जोड़ने के लिये बड़तूमा में भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। खुरई, बांदरी और मालथौन क्षेत्र में संत रविदास एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े सामुदायिक भवन, पार्क, प्रतिमा, छात्रावास सहित विभिन्न विकास कार्य भी किये गये हैं। आज होने वाली कलश वंदन यात्रा बनहट से प्रारंभ होकर विभिन्न गांवों एवं खुरई नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुये संत रविदास पार्क पहुंचेगी, जहां आमसभा आयोजित होगी। यात्रा का उद्देश्य संत रविदास के समता, सम्मान और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता रहेगी।

विश्वविद्यालय में हिंदी माहः 2026 का शुभारंभ, आशुभाषण प्रतियोगिता में अधिकारियों ने समसामयिक विषयों पर रखे विचार

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिंदी माह 2026 का बुधवार को शुभारंभ हुआ। 1 से 30 सितंबर तक आयोजित होने वाले हिंदी माह की पहली गतिविधि के रूप में विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिये आशुभाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में अधिकारियों ने विभिन्न समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किये। हिंदी माह 2026 के संयोजक, राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि वैश्विक, सामाजिक, तकनीकी और आर्थिक चुनौतियों से जुड़े विषयों पर चिंतन करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। प्रशासनिक अधिकारियों के लिये यह जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके प्रस्ताव और निर्णय संस्थागत व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि आशुभाषण जैसी प्रतियोगितायें अधिकारियों को ज्वलंत विषयों पर स्वतंत्र चिंतन करने और अपने विचार प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने का अवसर देती हैं। प्रतियोगिता में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक डॉ. आरटी बेद्रे ने युवा और रोजगारः बदलती अर्थव्यवस्था की चुनौतियां, सहायक कुलसचिव ममता त्रिपाठी ने जेन.जी की अपेक्षायें और हमारे शैक्षणिक संस्थान, सहायक कुलसचिव दीपक कुमार शाक्य ने उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं का भविष्य, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टीए ने विकसित भारत/2047: हमारी भूमिका तथा तकनीकी अधिकारी डॉ. शिवप्रकाश सोलंकी ने हिंदी में तकनीकी ज्ञानः आवश्यकता और संभावना विषय पर विचार रखे। तकनीकी अधिकारी डॉ. विवेक पाण्डेय ने डिजिटल डिटॉक्सः मोबाइल के बिना एक दिन, सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा डॉ. सुमन पटेल ने ई.कचराः आधुनिक जीवन की नई चुनौती और निदेशक शारीरिक शिक्षा डॉ. विवेक साठे ने सागर शहर में क्या पसंद है विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रतियोगिता का संचालन हिंदी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया, जबकि आभार ज्ञापन सहायक कुलसचिव एवं प्रतियोगिता संयोजक आशीष तिवारी ने किया। आयोजन में विनोद रजक का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा 30 सितंबर को गौर समिति कक्ष में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जायेगी। विजयी प्रतिभागियों को कुलपति द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। हिंदी माहः 2026 के अंतर्गत शिक्षार्थियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा केंद्रीय विद्यालय क्र.4 के विद्यार्थियों के लिये हिंदी भाषा, राजभाषा, साहित्य, प्रशासन और समसामयिक विषयों पर विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगितायें आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में 7 सितंबर को विवि के कर्मचारियों के लिये हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित होगी।

देशबन्धु

सागर, गुरूवार, 3 सितम्बर 2026

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

पत्रकारों पर नया हमला

पश्चिम बंगाल के प्रमुख बंगाली समाचार पत्र आनंदबाजार पत्रिका इस समय भाजपा और शुभेन्दु अधिकारी सरकार के निशाने पर आ गया है। मंगलवार को अखबार के दफ्तर के बाहर भगवा रंग के कपड़े पहने कुछ गुंडों ने दीवार को भगवा रंग पोत दिया और यह सब जब हो रहा था तो कोलकाता पुलिस वहीं मौजूद थी। घटना के जो वीडियो सामने आए हैं, उसमें यह गुंडागर्दी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। इस पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने लिखा है कि बंगाल अंधकार युग में चला गया है। वाकई जो माहौल इस समय बंगाल में बना दिया गया है, वह किसी अंधेरे से कम नहीं है।

मई में चुनाव जीतने के बाद से भाजपा एकदम मदांध होकर व्यवहार कर रही है। टीएमसी नेताओं को तो लगातार निशाना बनाया ही जा रहा है, इसके अलावा हर उस आवाज को कुचलने की कोशिश हो रही है जो भाजपा सरकार के विरोध में उठे।

20 अगस्त को ही शुभेन्दु अधिकारी ने जादवपुर यूनिवर्सिटी में लाल सलाम किशनजी के नारे दीवारों पर लिखे होने का विरोध करते हुए कहा कि नारों के साथ बहुत कुछ मिटा देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आजादी के नारे लगाने वाले तत्वों को 'घर के कचरे की तरह साफ' कर देना चाहिए। शुभेन्दु अधिकारी के बयान के बाद ही यूनिवर्सिटी की दीवारों पर रंगाई-पुताई होने लगी और प्रशासन ने कहा कि यह सफाई करने के लिए हो रहा है। जबकि माकपा और एसएफआई जैसे संगठनों का कहना है कि यह असहमति की आवाज दबाने की कोशिश है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह कोशिश केवल यूनिवर्सिटी तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्वतंत्र पत्रकारिता को कुचलने तक पहुंच चुकी है।

जादवपुर यूनिवर्सिटी में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलॉजी स्टूडेंट्स यूनियन और एबीवीपी के बीच हुई झड़पों पर आनंद बाजार पत्रिका ने भगवा गुंडागर्दी शीर्षक से खबर प्रकाशित की। इस शीर्षक पर आपत्ति जताते हुए अखबार के संपादकीय विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार 27 अगस्त को शास्त्री महाराज नामक व्यक्ति ने कोलकाता में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि 'भगवा गुंडागर्दी' शब्द का इस्तेमाल जानबूझ कर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और समाज में अशांति फैलाने के उद्देश्य से किया गया। इसके आधार पर 28 अगस्त को पुलिस ने आनंदबाजार पत्रिका के संपादकीय विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

एफआईआर में आनंदबाजार पत्रिका की संपादक ईशानी दत्ता रॉय, चीफ रिपोर्टर सोमा मुखर्जी और संपादकीय टीम के अन्य सदस्यों के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायत में मांग की गई है कि पुलिस यह जांच करे कि विवादित शब्द का सुझाव किसने दिया, शीर्षक किसने मंजूर किया और संपादन प्रक्रिया में कौन-कौन शामिल था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन लोगों ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से यह शब्द इस्तेमाल किया। इसके बाद भगवा कपड़े पहने कई लोग मंगलवार दोपहर आनंदबाजार पत्रिका के कार्यालय के बाहर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने 'आनंदबाजार पत्रिका हाय-हाय' और 'भगवा का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा' जैसे नारे लगाए। इसके बाद उन्होंने अखबार दफ्तर की दीवारों पर भगवा रंग पोत दिया। हालांकि कुछ घंटों बाद अखबार प्रबंधन ने दीवारों को दोबारा सफेद रंग से रंगवा दिया। हालांकि पुलिस ने इस घटना को लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। यह भी साफ़ नहीं है कि दीवारों पर रंग पोतने वाले लोगों के खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया है या नहीं।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी आनंदबाजार पत्रिका से 24 घंटे के भीतर 'भगवा गुंडागर्दी' शीर्षक के लिए माफी मांगने को कहा था। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि अखबार माफी नहीं मांगता तो भगवा पहनने वाले लोग विरोध प्रदर्शन करेंगे। हालांकि अखबार ने माफी जारी नहीं की। इसके बाद कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन हुआ। एक ही घटना की ये सारी कड़ियां आपस में जिस तरह जुड़ रही हैं, उससे जाहिर है कि सत्ता के समर्थन के बिना अखबार के दफ्तर पर पहुंच कर गुंडागर्दी करने और पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर नहीं किया गया है। बहरहाल यह मामला बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट भी पहुंचा, जहां पत्रकारों की तरफ से उपस्थित हुए सीनियर एडवोकेट एस.एन. मुखर्जी ने अदालत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि अखबार में भगवा गुंडागिरी शब्द के इस्तेमाल के बाद पत्रकारों के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए और उन्हें तत्काल राहत की जरूरत है। लेकिन जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की अदालत ने मामले की तत्काल सुनवाई के लिए विशेष रूप से तारीख तय करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पहले एफआईआर रद्द करने की याचिका दाखिल की जाए। अब देखना होगा कि आगे इस मामले में अदालत का क्या फैसला रहता है।

इधर पत्रकार संगठनों ने भी घटना की कड़ी निंदा करते हुए एफआईआर तुरंत वापस लेने की मांग की है। इंडियन विमेंस प्रेस कॉर्प्स और प्रेस एसोसिएशन ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि पत्रकारों का काम तथ्यों को सामने लाना है। कई बार रिपोर्टिंग या इस्तेमाल किए गए शब्द कुछ लोगों को पसंद नहीं आते, लेकिन यही स्वतंत्र पत्रकारिता और लोकतंत्र की बुनियाद है।

प्रेस संगठनों ने शिकायत में यह मांग किए जाने पर भी आपत्ति जताई कि विवादित शब्द का सुझाव किसने दिया, उसे किसने मंजूर किया और शीर्षक तय करने में कौन-कौन शामिल था। उनका कहना है कि इस तरह संपादकीय प्रक्रिया में शामिल पत्रकारों और संपादकों की पहचान मांगना सीधे तौर पर पत्रकारों को निशाना बनाने जैसा है। संगठनों ने इसे स्वतंत्र पत्रकारिता पर दबाव बनाने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता का संरक्षण जरूरी है, न कि उसे कानूनी कार्रवाई के जरिए दबाने की कोशिश।

लेकिन प्रेस संगठनों को भी अब बदले हालात पर गौर करना होगा कि नैतिकता का हवाला देकर अगर लोकतंत्र मजबूत बनाया जा सकता तो आज ऐसी नौबत ही नहीं आती। हाल ही में राजदीप सरदेसाई को दिमागी नक्सल भाजपा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बताया था। उसके चंद दिनों बाद अब पत्रकारों पर एफआईआर हो रही है। पिछले 12 सालों में ऐसे सैकड़ों मामले हो चुके हैं जिससे भारत की प्रेस स्वतंत्रता बाधित हुई है। तो पत्रकारों को भी अब नजर और नजरिए का फर्क समझ कर जुबानी जमाखर्च से आगे बढ़कर मजबूत एकता दिखानी होगी।

छवियों में कैद मोदी विदेश नीति

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में शामिल होने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी के बयानों और व्यवहार को लेकर फिर सुर्खियां बन रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बनाई विदेश नीति में कैमरे में कैद छवियों को अहम बना दिया है। अब तक देश में जितने भी प्रधानमंत्री हुए, सबकी विदेश यात्राओं में इस बात पर ध्यान दिया जाता था कि भारत के हित में कौन से समझौते हुए, वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति मजबूत करने के लिए किन देशों के साथ उसके मैत्री संबंध प्रगाढ़ हुए हैं, गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत को इन संबंधों में कितनी तरजीह दी जा रही है। लेकिन अब ऐसे सारे सवाल उठते ही नहीं। बेशक व्यापार और रक्षा समझौतों की बात होती है, लेकिन उसके अलावा खबरों में यही दिखाया जाता है कि नरेन्द्र मोदी ने किस देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री से हाथ मिलाया, गले मिले, किसके साथ एक कार में सफर किया, कौन से उपहार दिए या लिए और हां इन सबसे पहले यह बताया जाता है कि कौन से देश ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च सम्मान दिया। गोया, यह भारत के प्रधानमंत्री की नहीं, नरेन्द्र मोदी की विशेष उपलब्धि हो।

बहरहाल, बिश्केक में भी नरेन्द्र मोदी के अन्य नेताओं के साथ मिलने और बात करने की तस्वीरें, वीडियो आते रहे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ नरेन्द्र मोदी ने एक कार में सफर किया, उसकी तस्वीरें सामने आईं। फिर एक वीडियो आया जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन साथ आते हैं और सामने से नरेन्द्र मोदी जिनपिंग से हाथ मिलाते हैं और उसी समय दूसरे हाथ से पुतिन का हाथ भी थामते हैं। विश्व की दो महाशक्तियों के साथ एक हाथ मिलाते नरेन्द्र मोदी काफी शक्तिशाली प्रधानमंत्री लग सकते हैं। लेकिन ये शक्ति तब भी नजर आनी चाहिए जब अरुणाचल प्रदेश समेत कई हिस्सों में चीन अपनी घुसपैठ करता है या फिर पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मदद करता है। एक समूह चित्र खिंचवाने से पहले का भी वीडियो आया, जिसमें नरेन्द्र मोदी पुतिन से हाथ मिलाते हुए आगे बढ़ते हैं, उन्हें लगता है कि पुतिन उनके साथ खड़े रहेंगे, लेकिन पुतिन उन्हें दूसरी तरफ कर खुद लगभग केंद्र में आ जाते हैं, फिर उनके बगल में आकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को खड़ा कर दिया जाता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री किस तरह पुतिन के बाजू में खड़े किए गए और नरेन्द्र मोदी लगभग किनारे क्यों खड़े किए गए, यह क्रम किस आधार पर तय हुआ, यह विदेश मंत्रालय ही बेहतर बता सकेगा। हालांकि इस समूह चित्र को जब पाकिस्तान प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर शेयर किया तो इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटा दिया और लिखा 'प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ 1 सितंबर 2026 को किर्गिस्तान के बिश्केक में एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ स्टेट समिट में राष्ट्राध्यक्षों के साथ एक ग्रुप फोटो में।' फिर शाहबाज शरीफ ने पूरी निर्लज्जता के साथ अपने एक्स हैंडल पर उसी फोटो को शेयर किया है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने इस तस्वीर को वैसे ही शेयर किया, जैसे वह खींची गई थी। मोदी के हैंडल से शेयर हुई फोटो में शाहबाज शरीफ भी हैं। अच्छा है कि भारत ऐसे ओछेपन से अब तक बचा हुआ है। क्योंकि पाकिस्तान की सरकार लगातार इसी तरह का ओछापन दिखाती रही है और अब मक्का रक्षा समझौते के बाद उसके ऐसे दुस्साहस कुछ और बढ़ सकते हैं, क्योंकि इसमें शुरुआती तीन सालों के लिए जिम्मेदारी पाकिस्तानी के सैन्य प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को ही मिली है।

गौरतलब है कि नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) की तर्ज पर सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच 7 अगस्त 2026 को एक त्रिपक्षीय सामूहिक रक्षा समझौता हस्ताक्षरित किया गया है। इस समझौते के तहत यदि किसी एक देश पर बाहरी हमला होता है, तो उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा (जो नाटो के आर्टिकल-5 की तरह है)। इसे 'इस्लामिक नाटो' भी कहा जा रहा है। इस समझौते का दायरा बढ़ाए जाने की संभावना है और संभव है कि निकट भविष्य में बांग्लादेश भी इसका सदस्य बन जाए। तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने दावा किया है कि मक्का समझौता किसी भी देश के खिलाफ नहीं है। इस समझौते से क्षेत्रीय स्थिरता में वृद्धि होगी और अनिश्चितता में कमी आएगी।

हर संगठन अपनी स्थापना को लेकर नेक इरादे ही प्रकट करता है, लेकिन उसका विस्तार या प्रभाव दिखाना होता है, तो फिर उसमें उन देशों को निशाने पर लिया जाता है, जिनसे हित टकराते हैं। यूक्रेन और रूस के बीच पिछले चार सालों से चल रही जंग इसका उदाहरण है। नाटो देश यूक्रेन को अपने प्रभाव में लेना चाहते हैं। यूक्रेन भी नाटो का सदस्य होना चाहता है, लेकिन रूस इसका विरोध कर रहा है, क्योंकि वह जानता है कि एक बार नाटो का प्रभाव उसकी सीमाओं तक आ गया तो फिर शीतयुद्ध के दौर जैसे हालात बन जाएंगे। यूक्रेन जिस तरह बार-बार अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों से सहानुभूति बटोरते हुए युद्ध में टिके रहने के लिए उनसे सामरिक मदद मांग रहा है, यह इस बात का उदाहरण है कि रूस केवल यूक्रेन से नहीं लड़ रहा, पर्दे के पीछे नाटो की शक्ति भी काम कर रही है। इस मिसाल को देखते हुए मक्का समझौते के बाद भारत को विशेष तौर पर सचेत रहने की जरूरत है। क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त ही हमने देखा है कि कैसे अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच दखलंदाजी की और पाकिस्तान ने इसका स्वागत किया। अब क्षेत्रीय स्थिरता और शांति के नाम पर अगर पाकिस्तान फिर किसी अनावश्यक संघर्ष को बढ़ाएगा तब भारत केवल पाकिस्तान से मुकाबला नहीं करेगा, हो सकता है पीछे से सऊदी अरब और तुर्की भी साथ रहें।

हर संगठन अपनी स्थापना को लेकर नेक इरादे ही प्रकट करता है, लेकिन उसका विस्तार या प्रभाव दिखाना होता है, तो फिर उसमें उन देशों को निशाने पर लिया जाता है, जिनसे हित टकराते हैं। यूक्रेन और रूस के बीच पिछले चार सालों से चल रही जंग इसका उदाहरण है। नाटो देश यूक्रेन को अपने प्रभाव में लेना चाहते हैं।

भारत के लिए विदेश नीति की चुनौतियां अब पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी हैं, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी से उम्मीद की जाती है कि वे फोटो-वीडियो, हाथ मिलाने-गले मिलने पर ध्यान देने की जगह इन चुनौतियों की जटिलताओं को समझें। अभी बिश्केक में नरेंद्र मोदी ने व्लादिमीर पुतिन से अपील की कि वे यूक्रेन के ख़िलाफ़ रूस के युद्ध को ख़त्म करने की दिशा में कदम बढ़ाएं। मोदी ने एंडलेस वॉर की जगह वॉर के एंड पर जोर दिया। ऐसी लफ्फाजी से बेहतर है कि वे ठोस तथ्यों पर बात करें। यह सही है कि चार सालों से युद्ध चल रहा है, लेकिन उसे मोदी क्यों एंडलेस यानी अंतहीन बता रहे हैं। इसका मतलब वे रूस पर दोषारोपण कर रहे हैं कि वह युद्ध खत्म नहीं कर रहा। इससे पहले भी मोदी पुतिन से कई बार इसी तरह की अपील कर चुके हैं, हालांकि उसका कोई नतीजा नहीं निकला। बल्कि 2024 में जब मोदी यूक्रेन गए और वहां जेलेंस्की से मुलाकात की, तो इसके करीब ढाई महीने बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को रूस में पुतिन के सामने बैठकर इस मुलाकात पर सफाई पेश करनी पड़ी थी।

भारत वैश्विक शांति का हमेशा से पक्षधर रहा है। प.नेहरू ने गुटनिरपेक्ष और पंचशील का सिद्धांत शांति के मद्देनजर ही दिया था। लेकिन खुद मोदी सरकार ने विदेश नीति में गुटनिरपेक्षता को गौण बना दिया है, यह जाहिर है। इसलिए अगर मोदी पुतिन को युद्ध खत्म करने कह सकते हैं, तो यही रवैया उन्हें इजरायल और अमेरिका के साथ भी अपनाना चाहिए। फिलीस्तीन पर नरेन्द्र मोदी सरकार ने न केवल चुप्पी बरती बल्कि मोदी इजरायल जाकर बेंजामिन नेतन्याहू से मिले, उनसे सम्मान ग्रहण किया, आतंकवाद के खात्मे की बात की, तो यह सब गज़ा में चल रहे नरसंहार को समर्थन जैसा ही है। क्योंकि इजरायल के लिए आतंकवाद का दूसरा नाम हमास है। इसके बाद ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले में भी मोदी ने प्रतिक्रिया देने में न केवल देर की, बल्कि इस तरह प्रतिक्रिया दी कि कहीं से इजरायल और अमेरिका की हरकत का विरोध नजर नहीं आया। अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने अफसोस जाहिर नहीं किया। तो रूस से अगर मोदी कह रहे हैं कि यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म किया जाए, तो यही बात उन्हें खुल कर इजरायल और अमेरिका को भी कहनी होगी। वैश्विक मंच पर भारत का इकबाल इसी तरह नजर आएगा।

बच्चों की डिजिटल दुनिया कितनी सुरक्षित

■ राजु कुमार

भारत में बच्चों की दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है। पढ़ाई, मनोरंजन और दोस्तों से बातचीत से लेकर अपनी बात कहने तक इंटरनेट अब बच्चों के रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुका है। लेकिन इंटरनेट पर बच्चों की बढ़ती मौजूदगी के साथ उनके सामने खतरे भी बढ़े हैं। साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग, ब्लैकमेलिंग, तस्वीरों के दुरुपयोग, निजता के उल्लंघन और ऑनलाइन यौन शोषण जैसे अपराध बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन रहे हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के क्राई द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, 2017 से 2024 के बीच बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराधों में करीब 20 गुना बढ़ोतरी हुई है। इसी अवधि में बाल यौन शोषण सामग्री से जुड़े अपराधों में 157 गुना वृद्धि दर्ज की गई। यद्यपि 2023 के उच्चतम स्तर की तुलना में 2024 में बच्चों के खिलाफ दर्ज साइबर अपराधों में करीब आठ प्रतिशत की कमी आई है।

भारत में 18 साल से कम उम्र के करीब 11.3 करोड़ बच्चे इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं और देश के कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में उनकी हिस्सेदारी करीब 14 प्रतिशत है। वहीं, नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकानॉमिक रिसर्च की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, 13 से 16 वर्ष की उम्र के 65.3 प्रतिशत बच्चों की मोबाइल तक पहुंच है, 37.8 प्रतिशत इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं और 21.3 प्रतिशत सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। महानगरों में 73.1 प्रतिशत बच्चों की मोबाइल तक पहुंच है और 49.3 प्रतिशत इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं, जबकि कम विकसित गांवों में ये आंकड़े क्रमश: 64.2 और 33.3 प्रतिशत हैं।

बच्चों को सुरक्षित रखने का समाधान न तो उन्हें डिजिटल दुनिया से पूरी तरह दूर करने में है और न ही सारी जिम्मेदारी बच्चों और उनके माता-पिता पर डाल देने में। इंटरनेट अब शिक्षा, सूचना, रचनात्मकता और सामाजिक भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें सरकार स्पष्ट और प्रभावी नियम बनाए, तकनीकी कंपनियां अपने ऑनलाइन मंचों को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी लें।

ऑनलाइन अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच दुनिया के कई देशों ने बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए ऑनलाइन मंचों की जिम्मेदारी तय करने के सख्त कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया में दिसंबर 2025 से प्रमुख सोशल मीडिया मंचों के लिए 16 साल से कम उम्र के बच्चों को खाता बनाने या रखने से रोकने के लिए उचित कदम उठाना कानूनी जिम्मेदारी बन गया है। इसकी जिम्मेदारी बच्चे या माता-पिता के बजाय ऑनलाइन मंचों पर डाली गई है।

ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम में ऑनलाइन सेवाओं के लिए बच्चों के सामने मौजूद जोखिमों का आकलन और उनसे बचाव के उपाय जरूरी किए गए हैं। नुकसानदेह सामग्री तक बच्चों की पहुंच रोकने के लिए उम्र सत्यापन के उपाय भी किए गए हैं। इसी तरह यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम में बच्चों की निजता और सुरक्षा के लिए ऑनलाइन मंचों की जवाबदेही तय की गई है, जिसमें बच्चों के खातों को सामान्य रूप से निजी रखने और हानिकारक सामग्री की सिफारिश करने वाली स्वचालित प्रणालियों पर नियंत्रण जैसे उपाय शामिल हैं।

भारत में भी बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67बी बच्चों से जुड़ी यौन सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन या प्रसारण सहित कई गतिविधियों को दंडनीय बनाती है, जबकि सूचना प्रौद्योगिकी मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता नियम, 2021 ऑनलाइन मंचों पर कुछ जिम्मेदारियां डालते हैं। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 में बच्चों के व्यक्तिगत डेटा की विशेष सुरक्षा के साथ उनकी ऑनलाइन गतिविधियों और व्यवहार की निगरानी तथा उन्हें लक्षित कर विज्ञापन दिखाने पर रोक का प्रावधान है। हालांकि इसके प्रमुख प्रावधान अभी पूरी तरह प्रभावी नहीं हुए हैं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर व्यापक व्यवस्था अभी विकसित हो रही है।

कानून और तकनीकी उपाय जरूरी हैं, लेकिन बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा का सवाल केवल उम्र सत्यापन या किसी वेबसाइट को रोकने तक सीमित नहीं है। बच्चे इंटरनेट पर किससे बात कर रहे हैं, क्या साझा कर रहे हैं, किन संपर्क सूत्रों पर जा रहे हैं और परेशानी होने पर किससे मदद मांग सकते हैं, इसकी समझ भी उतनी ही जरूरी है। कई बार बच्चे किसी गलत ऑनलाइन अनुभव की जानकारी इसलिए नहीं देते क्योंकि उन्हें डर रहता है कि परिवार उन्हें ही दोषी ठहराएगा, उनका फोन छीन लिया जाएगा या उनकी बात पर विश्वास नहीं किया जाएगा। ऐसे में परिवारों और स्कूलों के सामने चुनौती निगरानी बढ़ाने के साथ ऐसा भरोसेमंद माहौल बनाने की भी है, जिसमें बच्चा किसी परेशानी के बारे में बिना डर के बता सके।

इन्हीं परिस्थितियों में बच्चों के मुद्दे पर कार्यरत चाइल्ड राइट्स एंड यू यानी क्राई ने बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल स्पेस बनाने के लिए देशव्यापी 'टिंग टोंग' अभियान की शुरुआत की है। अभियान का मूल संदेश ऑनलाइन कुछ भी करने से पहले एक पल रुक कर सोचने की आदत विकसित करना है। क्राई की मुख्य कार्यकारी अधिकारी पूजा मारवाह ने कहा, 'आज बच्चे दो दुनियाओं में बड़े हो रहे हैं—एक भौतिक दुनिया और दूसरी डिजिटल दुनिया। जिस तरह हम अपने घरों, स्कूलों और आस-पड़ोस को सुरक्षित बनाने के लिए काम करते हैं, उसी तरह हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे जिस डिजिटल स्पेस का हिस्सा हैं, वह सुरक्षित, समावेशी हो और उनके अधिकारों का सम्मान करता हो। ऑनलाइन सुरक्षा अब केवल तकनीक का मुद्दा नहीं रह गया है; यह मूलरूप से बाल सुरक्षा का मुद्दा है। इस अभियान के जरिए हम चाहते हैं कि हम सभी अपने व्यवहार में एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण बदलाव लाएं। ऑनलाइन कुछ भी क्लिक करने, किसी पर भरोसा करने, कुछ शेयर करने या पोस्ट करने से पहले बस एक पल रुकना बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है।'

दरअसल, बच्चों को सुरक्षित रखने का समाधान न तो उन्हें डिजिटल दुनिया से पूरी तरह दूर करने में है और न ही सारी जिम्मेदारी बच्चों और उनके माता-पिता पर डाल देने में। इंटरनेट अब शिक्षा, सूचना, रचनात्मकता और सामाजिक भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें सरकार स्पष्ट और प्रभावी नियम बनाए, तकनीकी कंपनियां अपने ऑनलाइन मंचों को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी लें, स्कूल डिजिटल सुरक्षा को बच्चों की शिक्षा का हिस्सा बनाएं और परिवार बच्चों के साथ लगातार संवाद बनाए रखें। बच्चों को इंटरनेट इस्तेमाल करने की आजादी और डिजिटल दुनिया के खतरों से सुरक्षा—दोनों को साथ लेकर चलना ही आने वाले समय की बड़ी बाल अधिकार चुनौती है।

ललित सुरजन की कलम से

देशबन्धु : चौथा खंभा बनने से इंकार- 8

'छत्तीसगढ़ में शुक्ल बंधुओं के वर्चस्व के कारण अनेक कांग्रेसजन घुटन महसूस करते थे, उन्हें पार्टी में अपने लिए संभावनाएं नजर नहीं आती थी। ऐसे अनेक लोग स्वाभाविक तौर पर सेठीजी के साथ जुड़ गए थे। मैं इनमें से प्रमुख रूप से रायपुर के अमरचंद बैद का नाम लेना चाहूंगा। वे प्रगतिशील विचारों वाले प्रबुद्ध व्यापारी थे और हमेशा लोगों की मदद के लिए तैयार रहते थे। अमरचंद जी अच्छी किताबें खरीदते व पढ़ते थे। उन्होंने निजी लाइब्रेरी बना रखी थी। सेठीजी के कार्यकाल में उनका काफी दबदबा हो गया था। लेकिन अपनी हैसियत का उन्होंने दुरुपयोग किया हो, ऐसा कोई प्रकरण प्रकाश में नहीं आया। सेठीजी को गुस्सा बहुत जल्दी आता था। ऐसा कहा जाता है कि वे नर्वस ब्रेकडाउन के मरीज थे और बीच-बीच में अपना मानसिक संतुलन खो बैठते थे। इसे लेकर कई किस्से प्रचलित हुए। जितना सच था, उससे ज्यादा उनके विरोधियों द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने जो भी निर्णय लिए, उनमें ऐसी कोई बात नहीं दिखी। मुख्यमंत्री पद संभालने के कुछ दिन बाद रायपुर प्रवास के दौरान उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केसी बाजपेयी को खड़े-खड़े सस्पेंड कर दिया था, जिसे लेकर उनकी आलोचना हुई थी। इस तरह के कुछ और अन्य प्रसंग भी रहे होंगे। इन प्रसंगों को एक लंबी पारी में अपवाद ही मानना चाहिए। मुझे उनका एक अलग तरह का प्रसंग याद आता है। शायद खंडवा में लोकसभा उपचुनाव होना था। इसके लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ के राइस किंग कहे जाने वाले नेमीचंद श्रीश्रीमाल से आर्थिक सहयोग की अपेक्षा की थी। नेमीचंद जी शुक्ल गुट के थे, सो उन्होंने सेठीजी के संदेश की उपेक्षा कर दी। इसके कुछ समय बाद सेठीजी का महासमुंद दौरा हुआ। नेमीचंद जी ने उन्हें भोजन पर आमंत्रित किया जिसे सेठीजी ने ठुकरा दिया। कुछ देर बाद वे वापसी के लिए हेलीकाप्टर में बैठे और उड़ने के पहले ही अपना टिफिन खोला और भोजन आरंभ कर दिया। हैलीपेड पर उपस्थित लोगों को जो संदेश जाना था, वो चला गया।'

(देशबन्धु में 30 जुलाई 2020 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2020/07/8.html

पावन प्रसंग

जीवन में समायोजन

जीवन में सफलता के माने एकाकी व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं हैं। जीवन का दायरा बहुत व्यापक है, जिसमें पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक पक्ष भी समाहित हैं, जिनके उचित प्रबंधन के साथ ही व्यक्ति की समग्र सफलता तय होती है। इस संदर्भ में दूरगामी सफलता के लिए महत्वपूर्ण कौशल है- समायोजन क्षमता, जिस पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। समायोजन का अभिप्राय है स्वयं को सामूहिक परिवेश में ढालना, परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को बदलना, जिससे उस परिवेश में बिना टकराव के जीवनयापन किया जा सके और अभीष्ट लक्ष्य की ओर निर्बाध रूप से अग्रसर हुआ जा सके। अत: समायोजन लचक, स्वीकृति, सामंजस्य एवं समस्या समाधान की प्रक्रिया है, एक साथ शांति, सौहार्द्र एवं तालमेल के साथ रहने व कार्य करने की क्षमता है।

किसी भी संबंध को लंबे समय तक चलाने के लिए, इसे अनुकूल बनाने की क्षमता का होना आवश्यक होता है। समायोजन के आधार पर ही व्यक्ति अपनी व साथी-सहचर की आवश्यकताओं के मध्य संतुलन बिठा पाता है, परिस्थितियों के अनुरूप ढलता है और व्यवहार में लचीलापन अपनाते हुए संघर्षपूर्ण परिस्थिति से बाहर निकलता है।

समायोजन में मुख्यत: तीन बातें आती हैं-1. सकारात्मक दृष्टिकोण 2. भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं वाक्-व्यवहार कौशल। इन्हीं के आधार पर आपसी संबंधों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित होता है। यदि दृष्टिकोण सकारात्मक है, तो व्यक्ति भावनात्मक रूप से स्थिर होगा व साथी-सहचर की कमियों व भिन्नता को सहज रूप से स्वीकार कर पाएगा।

व्यक्ति में भावनात्मक बुद्धिमत्ता है तो दूसरे पक्ष की भावनाओं को समझते हुए बेहतरीन तालमेल बिठाएगा और व्यवहार कौशल के आधार पर आपसी मतभेदों को सुलझाते हुए वृहद लक्ष्य की ओर आगे बढ़ेगा। समायोजन की आवश्यकता परिवार, विद्यालय-महाविद्यालय, कार्यालय या बाहरी किसी अभियान में टीम का हिस्सा बनने पर समायोजन क्षमता ही बड़े प्रोजेक्ट या अभियान की मंजिल तक पहुंचाने में सहायक बनती है। यह आपसी भिन्नता, विचार वैषम्य के बावजूद, बिना अपने मूल्यों से समझौता किए अपने सामूहिक लक्ष्य की प्राप्ति संभव बनाती है।

स्वस्थ रिश्तों को सुनिश्चित करने के लिए समायोजन क्षमता आवश्यक हो जाती है। परस्पर सहानुभूति, लचीलेपन और संवेदी संवाद को अपनाते हुए व्यक्ति आपसी संघर्षों से निपटता है, आत्मविस्तार करता है और रिश्तों को विश्वास एवं सम्मान के आधार पर सुदृढ़ करते हुए चुनौतियों का सृजनात्मक समाधान उपलब्ध करता है।

समायोजन के महत्व से आपसी रिश्ते मधुर व मजबूत बनते हैं। परस्पर सम्मान का भाव विकसित होता है और संबंध लंबे समय तक टिकाऊ बनते हैं।

-अखंड ज्योति

आपके पत्र

मक्का समझौते से बदलता पश्चिम एशिया का सुरक्षा समीकरण

पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया की राजनीति में इन दिनों एक नया सुरक्षा समीकरण आकार लेता दिखाई दे रहा है। तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के बाद इस्तांबुल में हुई पहली रणनीतिक बैठक ने इस समझौते को महज कूटनीतिक घोषणा से आगे ले जाने के संकेत दिए हैं। तीनों देशों के विदेश एवं रक्षा नेतृत्व और सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुई चर्चा से साफ है कि अब इस गठजोड़ की संस्थागत संरचना, सैन्य सहयोग और दीर्घकालिक भूमिका को लेकर गंभीरता से काम शुरू हो चुका है। इसका असर केवल इन तीन देशों तक सीमित रहने वाला नहीं है, बल्कि आने वाले समय में खाड़ी, दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र की रणनीतिक तस्वीर पर भी पड़ सकता है।

मक्का समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा है। इसके तहत किसी एक सदस्य पर होने वाले हमले को व्यापक रूप से साझा सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा जाएगा। ऐसी व्यवस्था किसी पारंपरिक सैन्य गठबंधन की दिशा में पहला कदम हो सकती है, हालांकि इसे अभी औपचारिक रूप से किसी मौजूदा सैन्य संगठन के समकक्ष मानना जल्दबाजी होगी। इसकी वास्तविक ताकत इस बात से तय होगी कि सदस्य देश संकट की स्थिति में एक-दूसरे के लिए किस स्तर तक सैन्य, खुफिया और राजनीतिक सहयोग उपलब्ध कराते हैं।

इस्तांबुल की बैठक ने इस समझौते के व्यावहारिक पक्ष को भी सामने रखा है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय, रक्षा अनुसंधान और हथियारों के उत्पादन में सहयोग जैसे विषय बताते हैं कि गठजोड़ केवल राजनीतिक एकजुटता तक सीमित रखने की योजना नहीं है। यदि तीनों देश रक्षा तकनीक, उत्पादन क्षमता और सैन्य प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ाते हैं तो इससे उनकी सामूहिक सामरिक क्षमता में इजाफा हो सकता है। खासतौर पर तुर्किये की तेजी से विकसित होती रक्षा तकनीक, पाकिस्तान का सैन्य अनुभव और सऊदी अरब की आर्थिक क्षमता इस समीकरण को अलग स्वरूप दे सकती है।

इस गठजोड़ की एक और महत्वपूर्ण विशेषता इसका संभावित विस्तार है। यदि भविष्य में दूसरे मुस्लिम बहुल देश इसमें शामिल होते हैं तो इसका भौगोलिक और राजनीतिक प्रभाव काफी बढ़ सकता है। बांग्लादेश की ओर से इसमें शामिल होने को लेकर फिलहाल किसी बड़े जोखिम की संभावना से इनकार किया जाना इस चर्चा को और महत्वपूर्ण बनाता है। वहीं कतर, कुवैत और बहरीन जैसे खाड़ी देशों का नाम भी संभावित विस्तार के संदर्भ में सामने आ रहा है। हालांकि इन देशों के निर्णय केवल धार्मिक या राजनीतिक निकटता पर निर्भर नहीं होंगे। उन्हें अमेरिका, चीन, भारत और अन्य प्रमुख शक्तियों के साथ अपने मौजूदा रणनीतिक संबंधों को भी ध्यान में रखना होगा। यही वह बिंदु है जहां इस पूरे घटनाक्रम का भारत के लिए महत्व बढ़ जाता है।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली देने का ऐलान

जिसके हाथ में हल, वही देश का असली बल : डॉ. यादव

ढाई वर्ष में सौ लाख हेक्टेयर सिंचाई का लक्ष्य

भोपाल/ग्वालियर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिसके हाथ में हल है, वही देश का असली बल है। किसानों के परिश्रम को मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था की शक्ति बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बीज से बाजार तक और खेत से निर्यात तक किसानों के साथ खड़ी है। अगले ढाई वर्ष में प्रदेश की सिंचित कृषि भूमि का रकबा 60 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 100 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री बुधवार को ग्वालियर में बलराम जयंती महोत्सव एवं सहकारी किसान समागम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने की बात कही।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन किसान क्रेडिट कार्ड पोर्टल, शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण योजना के सरलीकरण और कृषक कवच योजना का शुभारंभ किया। साथ ही 200 नई पैक्स संस्थाओं के कार्यालय तथा अपेक्स बैंक की ग्वालियर संभागीय शाखा का भी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री ने शिवपुरी जिला केंद्रीय सहकारी बैंक को वर्तमान वित्तीय स्थिति से उबारने के लिए आवश्यक सहायता देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसानों को खरीफ और रबी ऋण के लिए अलग-अलग छह माह में खाता पलटने की बाध्यता नहीं होगी और वे अपनी सुविधा से 12 माह में ऋण चुका सकेंगे। उन्होंने कृषि के साथ पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, प्राकृतिक खेती और कृषि प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश कृषि से एग्री-टेक और फूड प्रोसेसिंग की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की समृद्धि का आधार है।

किसान विश्राम गृह के लिए 60 लाख रुपए मंजूर

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के किसानों के लिए सिंचाई व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अब किसानों को सिंचाई के लिए दिन के समय भी बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उन्हें रात में खेतों पर जाकर सिंचाई करने की मजबूरी से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को श्योपुर कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले को ग्वालियर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने श्योपुर के किसानों से संवाद करते हुए कृषि क्षेत्र में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कृषि उपज मंडी श्योपुर में किसानों के लिए नवीन विश्राम गृह निर्माण हेतु 60 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और किसानों की आय बढ़ाने के लिए बहुआयामी योजनाओं पर काम हो रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। खरीफ और रबी फसलों के ऋण की वापसी अवधि में भी राहत देते हुए इसे अब ऋण लेने की तारीख से एक वर्ष तक कर दिया गया है।

फर्जी वकालतनामे संबंधी मामले में अदालत सख्त

शिक्षक को वकील बताने का आरोप, न्यायालय ने दिए जांच के आदेश

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट ने फर्जी वकालतनामे और शपथपत्र में कथित रूप से गलत जानकारी देने के गंभीर मामले में कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति अवनीन्द्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने पाया कि जिस नीरज कुमार साकेत को अधिवक्ता बताया गया था, वह वास्तव में रीवा जिले के सरकारी स्कूल में अंग्रेजी के गेस्ट लेक्चरर, ग्रेड टू के पद पर कार्यरत हैं। कोर्ट ने अधिवक्ता राम प्रकाश यादव के शपथपत्र में नीरज साकेत को अधिवक्ता बताए जाने को प्रथमदृष्टया गलत जानकारी माना। हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग, रीवा सेंट्रल जेल प्रशासन व एमपी स्टेट बार काउंसिल को अलग-अलग जांच कर 30 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई में यह भी सामने आया कि नीरज साकेत ने राम प्रकाश यादव के लिए 30 वकालतनामे प्राप्त किए थे। कोर्ट ने कहा कि यदि उनका किसी आरोपित से पारिवारिक संबंध भी हो, तो अन्य आरोपितों के वकालतनामे प्राप्त करने का अधिकार नहीं बनता। कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत जानकारी के अनुसार रीवा सेंट्रल जेल से अधिवक्ता राम प्रकाश यादव के लिए 300 से अधिक वकालतनामे प्राप्त किए गए। हाईकोर्ट ने मामले की जांच के निर्देश दिए। रीवा जेल के तत्कालीन अधीक्षक की भूमिका की भी जांच होगी, जबकि स्टेट बार काउंसिल अधिवक्ता के खिलाफ गलत शपथपत्र के मामले में कार्रवाई करेगी।

सार-समाचार

पटेल ने सुनी समस्याएं कहा- प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा समाधान

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान पटेल ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक जनसमस्या का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर उसके समाधान का प्रयास किया जाएगा। मंत्री पटेल ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न जनसमस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। जिन प्रकरणों में विस्तृत प्रक्रिया अथवा संबंधित विभाग की कार्रवाई आवश्यक है, उन्हें शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित से जुड़े विषयों के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

जीआईएस आधारित नवाचार के लिए मध्य प्रदेश को मिला अवार्ड

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सशक्त नेतृत्व और मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश नगरीय विकास, सूचना प्रौद्योगिकी तथा आधुनिक तकनीकों के समन्वय से प्रशासनिक दक्षता के नए मानदंड स्थापित कर रहा है। इसी श्रृंखला में राज्य के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा विकसित एकीकृत जीआईएस आधारित प्लेटफॉर्म गरुड़ के उत्कृष्ट और नवोन्मेषी उपयोग के लिए मध्यप्रदेश को प्रतिष्ठित 'अचीवमेंट इन जीआईएस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के समारोह में एसरी इंडिया निदेशक अजेन्द्र कुमार ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त संकेत भोंडवे को यह सम्मान प्रदान किया।

फर्जी शिक्षक नियुक्ति मामले में पांच के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने शिक्षा विभाग में फर्जी शिक्षक नियुक्ति आदेश के मामले में पांच लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह आरोपपत्र बडगाम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया था।

राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम अब 19 सितंबर को

भोपाल, देशबन्धु। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का इंदौर में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम अब 12 की जगह 19 सितंबर को होगा। कांग्रेस ने आयोजन के लिए नेहरू स्टेडियम में अनुमति चाही थी। लेकिन नगर निगम ने अदालत के आदेश का हवाला देते हुए स्टेडियम में आयोजन की अनुमति नहीं दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी इस आयोजन को राजनीतिक विवाद नहीं बनाना चाहती। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के लिए नया मैदान तैयार करना होगा और जो भी स्थान उपलब्ध कराएगा, कांग्रेस वहां आयोजन करेगी।

पटवारी ने कहा कि यह कोई सामान्य राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि छात्रों की शिक्षा, उनके भविष्य और रोजगार से जुड़े सवालों को उठाने का मंच है। राहुल गांधी ने देश के युवाओं और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों की लड़ाई शुरू की है। उन्होंने दावा किया कि 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में 50 हजार से ज्यादा लोगों के शामिल होने की संभावना है।

भाजपा लोकतंत्र की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है : चौधरी

रोकने से सवाल खत्म नहीं होंगे : पटवारी

इंदौर, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार को छात्रों और युवाओं की आवाज से डरने के बजाय उसे सुनना चाहिए। 'छात्रों की गूंज' पूरी तरह युवाओं के सवालों और उनके भविष्य से जुड़ा कार्यक्रम है। लोकतंत्र में किसी भी विचार या संवाद से डरने के बजाय उसका स्वागत किया जाना चाहिए।

उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लोकतंत्र की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष के रूप में देशभर में विद्यार्थियों और युवाओं से संवाद कर रहे हैं। 'छात्रों की गूंज' का उद्देश्य युवाओं के सपनों, उनकी समस्याओं और शिक्षा एवं रोजगार से जुड़े सवालों को सामने लाना है। पटवारी ने कहा कि यह कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल के प्रचार का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि देश के भविष्य, युवाओं के सपनों, शिक्षा के अधिकार और शिक्षा व्यवस्था की सुरक्षा से जुड़ा सार्थक संवाद है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि आयोजन के महत्व को समझते हुए नेहरू स्टेडियम उपलब्ध कराया जाए।

कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने की मैराथन बैठक

राहुल गांधी के 19 सितंबर को प्रस्तावित इंदौर दौरे और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की मैराथन बैठक आयोजित की गई। राजनीतिक मामलों की समिति की इस बैठक में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ इंदौर एवं उज्जैन संभाग के कांग्रेस अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों, मंडलम अध्यक्षों, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ संगठनों के पदाधिकारियों के साथ व्यापक चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि 19 सितंबर का आयोजन छात्रों और युवाओं की अधिकतम भागीदारी के साथ ऐसा मंच बने। बैठक में हरीश चौधरी, जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, राहुल गांधी के सुरक्षा सलहाकर के.बी बैजू, मनोज त्यागी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, अजय सिंह, ओमकार सिंह मरकाम, कांतिलाल भूरिया, सज्जन सिंह वर्मा, बाला बच्चन, शोभा ओझा, सत्य नारायण पटेल, विजय लक्ष्मी साधो, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विधायक, जिला अध्यक्ष एवं समिति के सदस्य उपस्थित थे।

3 घंटे इंतजार करते रहे जिला पंचायत सदस्य, नहीं पहुंचे वन विभाग के अधिकारी

भोपाल, देशबन्धु। जिला पंचायत भोपाल में बुधवार को वन स्थायी समिति की प्रस्तावित बैठक अधिकारियों की गैरमौजूदगी के कारण नहीं हो सकी। बैठक दोपहर 3 बजे निर्धारित थी, लेकिन शाम 6 बजे तक वन विभाग का कोई अधिकारी जिला पंचायत के सभाकक्ष में नहीं पहुंचा। बैठक के लिए पहुंचे समिति सदस्य विनय मेहर ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे जनप्रतिनिधियों की अनदेखी बताया। मेहर निर्धारित समय पर जिला पंचायत पहुंचे और अधिकारियों के आने का इंतजार करते रहे। तीन घंटे बाद भी जब कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तो उन्होंने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि बैठक निरस्त किए जाने की जानकारी समिति सदस्यों को पहले से नहीं दी गई। बैठक आयोजित करने के लिए विभाग की ओर से पत्र जारी किया गया था, लेकिन निरस्त करने के संबंध में न तो कोई पत्र भेजा गया और न ही मौखिक सूचना दी गई। मेहर ने आरोप लगाया कि वन स्थायी समिति की बैठक वर्ष में चार से पांच बार होनी चाहिए, लेकिन लंबे समय से नियमित बैठकें नहीं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कई बार आग्रह के बाद बुधवार को बैठक तय की गई थी।

बीआरसी-एपीसी के 525 पदों पर नई चयन प्रक्रिया

4 साल का कार्यकाल, फिर भी सालों से जमे हैं अधिकारी-कर्मचारी; अब परीक्षा से होगा चयन

भोपाल, देशबन्धु। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) और सहायक परियोजना समन्वयक (एपीसी) के करीब 525 पदों पर अब नए सिरे से चयन प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। राज्य शिक्षा केंद्र ने जिला स्तर पर आवेदन और चयन का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके तहत 25 सितंबर से आवेदन लिए जाएंगे और 30 अक्टूबर को चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे। नई प्रक्रिया से उन अधिकारियों-कर्मचारियों के भविष्य पर भी सवाल खड़े हो गए हैं, जो निर्धारित कार्यकाल से अधिक समय से इन पदों पर जमे हुए हैं।

प्रदेश के सभी 313 विकासखंडों में बीआरसी के पद भरे जाएंगे। वहीं प्रत्येक जिले में औसतन चार एपीसी पद माने गए हैं। इस हिसाब से करीब 220 एपीसी पदों पर भी नए सिरे से चयन की कार्रवाई होगी। मैहर, मऊगंज और पांढुर्णा में एपीसी चयन की प्रक्रिया अलग से होगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 25 सितंबर तक जिला स्तर पर विज्ञापन जारी कर आवेदन लिए जाएंगे। 9 अक्टूबर को आवेदनों की पात्रता जांच होगी। 21 अक्टूबर को पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दावा-आपत्ति का अवसर दिया जाएगा। 24 अक्टूबर को लिखित परीक्षा होगी और 30 अक्टूबर को चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे। बीआरसी और एपीसी का कार्यकाल चार वर्ष का निर्धारित है। पिछली बार वर्ष 2019 में परीक्षा के माध्यम से इन पदों पर नियुक्तियां हुई थीं। वर्तमान में कई पदों पर कार्यरत लोगों के चार वर्ष से अधिक समय पूरा होने के बावजूद पद पर बने रहने की स्थिति सामने आई है। नई चयन प्रक्रिया का उद्देश्य ऐसे पदों पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नियुक्ति करना है।

चयन के लिए संबंधित पद के अनुसार व्याख्याता, उच्च माध्यमिक शिक्षक, स्नातक, बीएड या समकक्ष योग्यता तथा संबंधित विषय का अनुभव आवश्यक होगा। अधिकतम आयु सीमा 56 वर्ष निर्धारित है। बालिका शिक्षा से जुड़े पदों पर महिला अभ्यर्थियों को प्राथमिकता या प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। समान अंक होने पर वरिष्ठता को आधार बनाया जाएगा। इस बीच शासकीय शिक्षक संगठन मध्य प्रदेश ने उच्च पद के प्रभार पर कार्यरत व्याख्याताओं और उच्च माध्यमिक शिक्षकों को भी चयन परीक्षा में शामिल करने की मांग की है। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल का कहना है कि ऐसे शिक्षक लंबे समय से शैक्षणिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं, इसलिए उनके अनुभव को भी पात्रता में मान्यता मिलनी चाहिए।

सीहोर डीपीसी पर सवाल, 6 साल से पद पर बने रहने का दावा

बीआरसी-एपीसी की नई चयन प्रक्रिया के बीच सीहोर जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) को लेकर भी विभागीय व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान डीपीसी आर आर उईके करीब छह वर्षों से पद पर बने हुए हैं। दावा है कि निर्धारित पद के लिए आवश्यक योग्यता के अभाव के साथ विभागीय परीक्षा में दो बार असफल होने के बावजूद वे पद पर बने हुए हैं। सूत्रों के अनुसार करीब दो माह पहले उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन राज्य शिक्षा केंद्र के एक अधिकारी के कथित संरक्षण के बाद कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी और वे पुनः पद पर बने हुए हैं। इस मामले को लेकर विभागीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोग इसे राजनीतिक प्रभाव से जोड़कर भी देखते हैं, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यदि संबंधित पद के लिए निर्धारित योग्यता और चयन प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ है तो इतने लंबे समय तक पद पर बने रहना गंभीर प्रशासनिक प्रश्न है। खास बात यह है कि सीहोर राजधानी भोपाल से सबसे नजदीकी जिलों में है। ऐसे में सवाल उठता है कि राज्य शिक्षा केंद्र के जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इतने महत्वपूर्ण जिले की व्यवस्था पर क्यों नहीं है? विभागीय नियमों के अनुसार पात्रता, परीक्षा और पदस्थापना की स्थिति की निष्पक्ष जांच कराई जाना जरूरी है।

सेडमेप के खिलाफ न्यायालय में चालान

भोपाल, देशबन्धु। जयप्रकाश चिकित्सालय (1250) परिसर में बायो मेडिकल कचरा अन्य कचरे के साथ खुले में पड़ा मिलने पर नगर निगम ने अस्पताल की हाउस कीपिंग संस्था सेडमेप के विरुद्ध जुर्माने की कार्रवाई के लिए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया है। निगम अधिकारियों ने अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संजय जैन और सेडमेप के प्रतिनिधियों को मौके पर बुलाया। अधीक्षक के दूरभाष से सूचना देने के बावजूद संस्था का कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा और न जुर्माना जमा कराया। इसके बाद निगम ने न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने की कार्रवाई की।

न्यायालय तहसीलदार तहसील मालथौन जिला-सागर (म.प्र.)

//इश्तहार//

जरिये इश्तहार आम जनता को सूचित किया जाता है कि कार्यालय नगर परिषद बरोदियाकलां जिला सागर का पत्र क्रमांक/ 658/ न.प./स्था./ 2026 बरोदियाकलां दिनांक 21.05.2026 के द्वारा मौजा चुरारी तहसील मालथौन स्थित भूमि खसरा नं. 115 कुल रकवा 4.43 हे. में से रकवा 0.50 हे. भूमि आवंटित किये जाने हेतु प्रकरण श्रीमान कलेक्टर महोदय सागर के प्रकरण क्रमांक-0095/अ-20 (3)/2026-27 मे जॉच कर प्रतिवेदन भेजने हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो वह इस इस्तहार प्रकाशन के 15 दिवस के अंदार स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात किसी भी आपत्तिकर्ता की आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 20/08/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नियत दिनांकः- 08/09/2026

तहसीलदार
मालथौन जिला सागर (म.प्र.)

कार्यालय, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय खुरई (सागर) म.प्र.

E-mail-hegckhusag@mp.gov.in webside - www.mp.gov.in/highereducation/gckhurai

क्रमांक 413/2026 खुरई दिनांक 02.09.2026

शासकीय महाविद्यालय खुरई द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु परिचय पत्र की डिजाइन प्रिंटिंग एवं सप्लाई कार्य के लिए सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक एवं पंजीकृत फर्म/प्रिंटर्स जो इस कार्य में अनुभव रखते हो निर्धारित शर्तों के अनुसार अपनी निविदाएं कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 18.09.2026 समय सायं 05.00 तक।

विवरण निम्नानुसार है:-

1. परिचय पत्र की साइज।
2. परिचय पत्र की संख्या 2050 लगभग।
3. परिचय पत्र प्लास्टिक पेस्टिंग।
4. डोरी 16 नीली।
5. 20 दिवस में कार्य पूर्ण।
6. कोई अतिरिक्त टेक्स नहीं।

नोट - संस्था प्रमुख बिना कारण बताये किसी भी / अथवा संबंधित निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखेगा।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय खुरई (सागर) म.प्र.

निर्माण, परीक्षण और नवाचार का प्रस्तुत किया रोडमैप

प्रदेश को बनाया जाएगा ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र

ड्रोन क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ किया मंथन

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश को ड्रोन निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा आईआईएसईआर भोपाल एवं ड्रोन क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ उच्चस्तरीय इंडस्ट्री राउंडटेबल आयोजित किया गया। प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एम. सेल्वेंद्रन ने चर्चा में सहभागिता करते हुए ड्रोन क्षेत्र के विकास, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन की प्राथमिकताओं को साझा किया।

राउंडटेबल में ड्रोन क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों, स्टार्टअप्स, उद्योग संगठनों, अनुसंधान संस्थानों और इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें गरुड़, डीएफआई, आइडियाफोर्ज, एनएफएसयू, प्रखर और आईजेडआई सहित अनेक कंपनियों एवं संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रतिभागियों ने प्रदेश में ड्रोन निर्माण, परीक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए सशक्त इकोसिस्टम विकसित करने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में ड्रोन क्षेत्र के लिए आवश्यक अधोसंरचना, परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाएं, कौशल विकास, अनुसंधान सहयोग और ग्वालियर में प्रस्तावित ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग क्लस्टर के विकास पर विस्तार से चर्चा हुई।

राउंडटेबल में आईआईएसईआर भोपाल में ड्रोन टेक्नोलॉजी आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के राज्य शासन के निर्णय को सराहा गया। इसका उद्देश्य उन्नत अनुसंधान, उत्पाद विकास, स्टार्टअप इनक्यूबेशन, प्रौद्योगिकी सत्यापन और नई पीढ़ी के ड्रोन अनुप्रयोगों को बढ़ावा देना है। जुलाई 2026 में मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल ने लगभग 85.51 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना को स्वीकृति दी है। ग्वालियर में प्रस्तावित ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग क्लस्टर में ड्रोन निर्माण, प्रोटोटाइपिंग, कंपोनेंट टेस्टिंग, प्रमाणन और फ्लाइट टेस्टिंग के लिए एकीकृत अधोसंरचना विकसित की जाएगी। इंडस्ट्री राउंडटेबल से प्राप्त सुझावों को प्रदेश के ड्रोन इकोसिस्टम के विकास के लिए तैयार किए जा रहे रोडमैप में शामिल किया जाएगा। ये सुझाव ग्वालियर क्लस्टर, आईआईएसईआर भोपाल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, ड्रोन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर सृजित करने की आगामी पहलों के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेंगे। बैठक में मध्यप्रदेश ड्रोन प्रमोशन एंड यूसेज पॉलिसी-2025 के महत्व को भी रेखांकित किया गया। नीति का उद्देश्य निवेश, नवाचार, कौशल विकास, प्रमाणन सहयोग तथा कृषि, लॉजिस्टिक्स, अधोसंरचना, सुशासन, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक अनुप्रयोगों में ड्रोन तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना है।

CHANGE OF NAME & DOB

I, URMILA DEVI IS MOTHER OF ARMY NO - 10391151A RANK LNK NAME RAJU RAJBHAR SERVING IN 108 INF BN (TA) MAHAR C/O 56 APO HOME ADDRESS VILL - SHAHROJ, P.O - SHAHROJ KOPAGANJ, P.S - KOPAGANJ, DIST - MAU, STATE - UTTAR PRADESH, PIN - 275305 HAVE CHANGED MY NAME FROM URMILA DEVI TO URMILA AND CHANGED MY DOB FROM 35 YRS TO 02/05/1961. VIDE AFFIDAVIT DATED 01/09/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर

क्रं./ जलप्रदाय/न.नि./2026/08 सागर दिनांक 02.09.2026

ऑनलाईन निविदा सूचना

नगर पालिक निगम सागर के अंतर्गत जल प्रदाय विभाग में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये पाईप लाईन, फिटिंग सामग्री, पंप इत्यादि सामग्री प्रदाय करने हेतु इच्छुक डीलर / निर्माता अपनी दरें ऑनलाईन माध्यम से नियत तिथि तक जमा कर सकते हैं। कार्य का विवरण निम्नानुसार है

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम. डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_533331_1 03.09.2026	जल प्रदाय विभाग में पाईप लाईन विस्तार, लीकेज सुधार कार्य, हैण्डपंप मरम्मत तथा नलकूप मरम्मत व फिटिंग सामग्री, पंप इत्यादि सामग्री प्रदाय करने का कार्य।	वित्तीय वर्ष 2026-27	5,000/- 50000/-	05.10.2026 शाम 05.30 तक

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑन लाईन https://mptenders.gov.in की बेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम सागर

टीकमगढ़ में चुनावी गतिविधियों पर प्रशासन की सख्ती, बिना अनुमति रैली-जुलूस पर रोक

नगर पालिका अध्यक्ष उपचुनाव को लेकर धारा 163 के तहत आदेश, 3 अक्टूबर तक प्रभावी रहेंगे प्रतिबंध

टीकमगढ़, देशबन्धु। नगर पालिका अध्यक्ष उपचुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कानून-व्यवस्था के साथ संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने चुनावी गतिविधियों को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जिला दंडाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक श्रोत्रिय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत 31 अगस्त को आदेश जारी किया, जो 3 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। आदेश के तहत चुनाव अवधि में बिना लिखित अनुमति रैली, जुलूस, आमसभा और नुक्कड़ सभा आयोजित नहीं की जा सकेगी। सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी टीकमगढ़ से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। चुनाव के दौरान जातिगत, सामुदायिक या किसी वर्ग को भड़काने वाली गतिविधियों पर भी प्रतिबंध रहेगा। हथियार लेकर चलने या उनके प्रदर्शन पर भी रोक लगाई गई है। प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भी सख्ती बरतते हुए भड़काऊ पोस्ट करने, साझा करने अथवा ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने पर प्रतिबंध लगाया है। मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उपहार, प्रलोभन या अन्य अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर भी रोक रहेगी।

वाहन, टैक्सी, रिक्शा और ध्वनि-विस्तारक यंत्रों के चुनावी उपयोग के लिए भी अनुमति आवश्यक होगी। मतदान केंद्र और मतगणना स्थल के अंदर फोटो या वीडियोग्राफी प्रतिबंधित रहेगी।

आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 सहित अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आदेश का स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं।

राहुल गांधी पर एफआईआर के विरोध में कांग्रेस उतरी सड़क पर ,प्रदर्शन कर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

टीकमगढ़, देशबन्धु। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने टीकमगढ़ में प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जताया। टीकमगढ़ विधायक यादवेंद्र सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर एफआईआर का विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं और लोकतांत्रिक अधिकारों की आवाज उठाने वाले नेताओं पर एफआईआर दर्ज कर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे लोकतंत्र और संविधान से जुड़े मुद्दे के रूप में उठाते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई से पार्टी कार्यकर्ता पीछे हटने वाले नहीं हैं।विधायक यादवेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को लगातार उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि सत्ता की ओर से डराने या दबाव बनाने की कोशिशों के बावजूद कांग्रेस न डरेगी, न झुकेगी और न ही चुप बैठेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगा। कांग्रेसजनों ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की।

बारिश के बाद जलभराव और मच्छरों का प्रकोप

नगर परिषद से लार्वानाशक दवा छिड़काव की उठाई मांग

पलेरा, देशबन्धु। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे वार्डों की नालियों में गंदा पानी रुकने लगा है। पानी के ठहराव के चलते नालियों में मच्छर तेजी से पनप रहे हैं, जिससे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों फैलने का अंदेशा बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने इस समस्या को लेकर गहरी चिंता जताई है और नगर परिषद से जल्द से जल्द मच्छर रोधी दवाओं का छिड़काव कराने की मांग की है।

नागरिकों का कहना है कि बरसात के इस मौसम में यदि समय रहते नालियों की सफाई और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नहीं किया गया, तो संक्रामक बीमारियों का खतरा और अधिक बढ़ सकता है। लोगों ने बताया कि कई बस्तियों में नालियों की ठीक से निकासी न होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो रही है। इस संबंध में नागरिकों ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि लार्वा और मच्छरों के सफाए के लिए टीमें फ़ॉस जैसी लार्वानाशक दवा और फॉगिंग का कार्य युद्ध-स्तर पर शुरू कराया जाए, ताकि वार्डवासियों को बीमारियों के प्रकोप से बचाया जा सके।

अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास होगा: मृगेंद्र सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मृगेन्द्र सिंह ने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। बार की गरिमा और सम्मान को बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

हाईकोर्ट बार की नई कार्यकारिणी ने संभाला पदभार

कार्यक्रम में पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमाध्यक्ष रिकुंज विज विशेष रूप से उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित सचिव असीम त्रिवेदी ने कहा कि वरिष्ठ और कनिष्ठ सभी अधिवक्ताओं का सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। अधिवक्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण कराने के लिए प्रभावी पहल की जाएगी। इस अवसर पर अध्यक्ष मृगेन्द्र सिंह, सचिव असीम त्रिवेदी, उपाध्यक्ष विश्वास पलिया एवं सत्येन्द्र ज्योतिषी, सह-सचिव रूपेश पटेल, कोषाध्यक्ष सुशीला पालीवाल, पुस्तकालय सचिव अजय शुक्ला तथा कार्यकारिणी सदस्य आशीष तिवारी, आर्णव तिवारी, अभिजीत सोनी, अतुल द्विवेदी और वरुण दुबे ने पदभार संभाला। महिला कार्यकारिणी सदस्य विभा पाठक, शांति तिवारी और आरती शर्मा ने भी पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष अमित जैन, पूर्व सचिव परितोष त्रिवेदी व स्टेट बार कौंसिल के पूर्व वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे।

सूखे और झुके पेड़ वाहन क्रासिंग में बन रहे बड़ी अड़चन

सड़क किनारे के पेड़ बने मुसीबत, हादसे का मंडरा रहा खतरा

जतारा, देशबन्धु। टीकमगढ़-मऊरानीपुर मार्ग पर जतारा नगर में सड़क किनारे खड़े दो महुआ के पेड़ अब किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। ग्रीन वाटिका गार्डन और सिध्दीविनायक डेंटल क्लीनिक के सामने लगे इन पेड़ों को लेकर नगर के लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। इनमें एक महुआ का पेड़ पूरी तरह सूखा हुआ बताया जा रहा है, जबकि दूसरा महुआ पेड़ सड़क की ओर इतना धनुषाकार झुक गया है कि वह वाहनों के आवागमन और क्रॉसिंग में परेशानी खड़ी कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों पेड़ सड़क से बिल्कुल सटे हुए हैं। सामने की पटरी पर बना गड्ढा परेशानी को और बढ़ा देता है। ऐसे में जब दो बड़े वाहन आमने-सामने से निकलते हैं तो चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। जरा सी चूक हुई तो बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता।इसी स्थान के पास किड्स एंड जॉय स्कूल भी संचालित है, जहां रोज छोटे-छोटे बच्चों और स्कूल वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सूखे पेड़ और सड़क की तरफ झुके पेड़ को लेकर खतरा और गंभीर हो जाता है।नगर के लोगों और संस्था से जुड़े लोगों का कहना है कि मामले की जानकारी कई बार जिम्मेदारों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने जिला प्रशासन को शिकायती आवेदन देकर मांग की है कि घटना घटने का इंतजार करने के बजाय समय रहते इन खतरनाक पेड़ों को हटाया जाए। लोगों का कहना है— हादसा होने के बाद जागने से बेहतर है, पहले ही खतरा टाल दिया जाए।

फर्जी वकालतनामे संबंधी मामले में कोर्ट सख्त

शिक्षक को वकील बताने का आरोप, हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश, शिक्षा विभाग, जेल प्रशासन और स्टेट बार काउंसिल से 30 दिन में रिपोर्ट तलब

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट ने फर्जी वकालतनामे और शपथपत्र में कथित रूप से गलत जानकारी देने के गंभीर मामले में कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति अवनीन्द्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने पाया कि जिस नीरज कुमार साकेत को अधिवक्ता बताया गया था, वह वास्तव में रीवा जिले के सरकारी स्कूल में अंग्रेजी के गेस्ट लेक्चरर, ग्रेड टू के पद पर कार्यरत हैं। कोर्ट ने अधिवक्ता राम प्रकाश यादव के शपथपत्र में नीरज साकेत को अधिवक्ता बताए जाने को प्रथमदृष्टया गलत जानकारी माना। हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग, रीवा सेंट्रल जेल प्रशासन व एमपी स्टेट बार काउंसिल को अलग-अलग जांच कर 30 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई में यह भी सामने आया कि नीरज साकेत ने राम प्रकाश यादव के लिए 30 वकालतनामे प्राप्त किए थे। कोर्ट ने कहा कि यदि उनका किसी आरोपित से पारिवारिक संबंध भी हो, तो अन्य आरोपितों के वकालतनामे प्राप्त करने का अधिकार नहीं बनता। कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत जानकारी के अनुसार रीवा सेंट्रल जेल से अधिवक्ता राम प्रकाश यादव के लिए 300 से अधिक वकालतनामे प्राप्त किए गए। हाईकोर्ट ने मामले की जांच के निर्देश दिए। रीवा जेल के तत्कालीन अधीक्षक की भूमिका की भी जांच होगी, जबकि स्टेट बार काउंसिल अधिवक्ता के खिलाफ गलत शपथपत्र के मामले में कार्रवाई करेगी।

अनंतपुरा में घर-घर पहुंचेगा कचरा वाहन, कलेक्टर ने परखी व्यवस्था

गीला-सूखा कचरा अलग रखने पर जोर, स्वच्छता कर भुगतान के लिए ग्रामीणों से की अपील

टीकमगढ़, देशबन्धु। गांव की स्वच्छता केवल पंचायत की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर परिवार की भागीदारी से ही व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। इसी सोच के साथ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने ग्राम पंचायत अनंतपुरा का भ्रमण कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने गांव में हाल ही में शुरू की गई घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था और कचरा संग्रहण वाहन के संचालन की स्थिति देखी तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने की अपील की।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से घरेलू कचरे के उचित निस्तारण को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि घर से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखना जरूरी है, ताकि कचरे का उचित प्रबंधन किया जा सके। उन्होंने पंचायत को निर्देश दिए कि गांव की सभी बसाहटों तक कचरा संग्रहण वाहन नियमित रूप से पहुंचे और इसके लिए निर्धारित समय-सारणी ग्रामीणों को पहले से बताई जाए। समय-सारणी का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश भी दिए गए, जिससे लोग अपने घर का कचरा निर्धारित समय पर वाहन में ही दें।

कलेक्टर ने ग्रामीणों से कहा कि कचरा संग्रहण वाहन के नियमित संचालन के लिए नागरिकों की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने स्वच्छता कर का भुगतान करने के लिए भी ग्रामीणों को आगे आने की अपील की। उनका कहना था कि गांव को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित रखना किसी एक व्यक्ति या विभाग का काम नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने ग्रामीणों से घर और आसपास कचरा नहीं फैलाने तथा कचरे का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही ग्राम पंचायत को कचरा संग्रहण व्यवस्था नियमित बनाए रखने और स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों में लगातार जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विशाल धाकड़, जिला समन्वयक मनीष जैन, सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सचिव के बिना बिंदारी खास, विकास की रफ्तार थमी

आय-जाति-निवास और पेंशन के काम भी अटके

मोहनगढ़, देशबन्धु। जतारा जनपद की ग्राम पंचायत बिंदारी खास इन दिनों जिम्मेदार अधिकारी की अनुपस्थिति का खामियाजा भुगत रही है। पंचायत में पिछले करीब चार माह से सचिव का पद रिक्त है। नतीजा यह है कि जहां पंचायत के नियमित कामकाज की रफ्तार धीमी पड़ गई है, वहीं ग्रामीणों को छोटे-छोटे जरूरी कामों के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत में सचिव की भूमिका महत्वपूर्ण होने के बावजूद लंबे समय से पद रिक्त रहने के कारण पंचायत से जुड़े दस्तावेजी कार्य, विकास योजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की प्रक्रिया और ग्रामीणों से जुड़े विभिन्न प्रमाण-पत्रों के काम प्रभावित होने की बात सामने आ रही है।

बच्चों से बुजुर्गों तक बढ़ी परेशानी

सचिव के नहीं होने का सबसे अधिक असर उन ग्रामीणों पर पड़ रहा है, जिन्हें पंचायत से जुड़े जरूरी दस्तावेज और योजनाओं का लाभ लेने के लिए पंचायत कार्यालय पर निर्भर रहना पड़ता है। ग्रामीणों के मुताबिक आय, जाति और निवास प्रमाण-पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं स्कूली बच्चों के दस्तावेजी कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। दूसरी ओर बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य योजनाओं के कामों के लिए भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि संभल, बीपीएल सहित महत्वपूर्ण योजनाओं से जुड़े कार्यों की गति भी सचिव के अभाव में प्रभावित हुई है।

विकास कार्यों पर भी असर: पंचायत में चलने वाले निर्माण एवं विकास कार्यों के संचालन और दस्तावेजी प्रक्रिया पर भी सचिव की अनुपस्थिति का असर बताया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत का नियमित कामकाज जिस गति से होना चाहिए, वह नहीं हो पा रहा है। इससे विकास कार्यों को समय पर आगे बढ़ाने में भी परेशानी पैदा हो रही है। सरपंच प्रतिनिधि मुकेश अहिरवार ने बताया कि करीब चार माह से पंचायत में सचिव नहीं होने के कारण पंचायती कामकाज प्रभावित है। उन्होंने कहा कि इसका असर केवल पंचायत के प्रशासनिक कामों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों को प्रमाण-पत्र, पेंशन और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यों में भी परेशानी हो रही है।

धूमधाम से मनाया भगवान लव-कुश का जन्मोत्सव

बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकली आरती

बल्देवगढ़, देशबन्धु। कुशवाहा समाज द्वारा भगवान लव-कुश का जन्मोत्सव नगर में श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। आयोजन में नगर सहित ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह का माहौल नजर आया। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन किला प्रांगण में किया गया, जहां भगवान लव-कुश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद भव्य महाआरती का आयोजन हुआ। आरती के दौरान कलाकारों ने अपनी कला और हुनर की शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। धार्मिक भजनों और जयकारों से किला प्रांगण भक्तिमय हो उठा।

जन्मोत्सव के अवसर पर समाज की ओर से बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ श्रद्धा एवं उल्लास का प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद समाजजनों ने भगवान लव-कुश के जयकारे लगाए और सुख-समृद्धि की कामना की।

आयोजन के अंत में भगवान लव-कुश की महाआरती की गई और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समाजजनों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

सड़क पर सजी दुकानें और बेतरतीब खड़े वाहन बने मुसीबत

अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग से 'महाजाम', जतारा बस स्टैंड बेहाल

जतारा, देशबन्धु। नगर की यातायात व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह पटरी से उतरती नजर आ रही है। बस स्टैंड से रेस्ट हाउस तिराहे तक मुख्य सड़क पर रोज लगने वाला जाम अब लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। हालात यह हैं कि आम राहगीरों के साथ-साथ कई बार प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन भी जाम में फंसकर रेंगते नजर आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जाम अब रोज की बात हो गई, लेकिन सुनवाई कछु नईं। मुख्य मार्ग पर सड़क तक फैली दुकानों का सामान और उसके बाद दोनों ओर बेतरतीब खड़े वाहन यातायात की समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। बस स्टैंड क्षेत्र में बसों, ऑटो, दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही के बीच पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। जैसे ही कोई बड़ा वाहन बस स्टैंड में प्रवेश करता है, यातायात की रफ्तार थम जाती है और देखते ही देखते वाहनों की कतार लग जाती है।बाजार आने वाले लोगों का कहना है कि कुछ दूरी का रास्ता तय करने में भी काफी समय लग रहा है। पैदल राहगीरों को भी वाहनों के बीच से निकलने की मजबूरी बनी हुई है। दुकानदारों द्वारा सड़क पर सामान रखने और वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण हटाने के साथ पार्किंग और यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से सख्ती के साथ कार्रवाई की मांग की है, ताकि जतारा के मुख्य बाजार को रोज-रोज के इस 'महाजाम' से राहत मिल सके।

सार-समाचार

दो अलग-अलग प्रकरण में 03 हजार रूपये का ईनाम घोषित

दमोह देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगि ने दमोह जिले अंतर्गत 02 अलग-अलग प्रकरणों में फरार आरोपियों पर 03 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है । पुलिस अधीक्षक कलादगि ने थाना दमोह देहात के अपराध क्रमांक 464/2026 धारा 115(2),127(2),64(1),बीएनएस के तहत आरोपी दशरथ लोधी पिता जुगलकिशोर सिंह लोधी निवासी ग्राम रोड़ थाना नोहटा हाल पॉलिटेक्नि कालेज के पीछे जबलपुर नाका दमोह पर 02 हजार रूपये थाना गैसाबाद जिला दमोह के अपराध क्रमांक बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी पर 01 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है।

लगातार बारिश से प्रशासन सतर्क

कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश—पुल-नालों पर पानी तो आवागमन पूरी तरह बंद

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर ऊषा परमार द्वारा समस्त अधिकारियों को वर्तमान में जारी निरंतर बारिश के मद्देनजर स्थिति पर सतत् मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। जिला कलेक्टर ने कहा है कि अतिवर्षा के कारण नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर जलभराव अथवा नदी-नालों के उफान पर आने की स्थिति निर्मित हो सकती है। इसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को अपने क्षेत्र में परस्पर समन्वय एवं संवाद व बेहतर सूचना तंत्र के माध्यम से प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही किसी भी अप्रिय स्थिति अथवा बा? या आपदा पर तत्काल सूचित कर बचाव व अन्य आवश्यक कार्यवाही के लिए भी निर्देशित किया गया है। जनसुरक्षा के उद्देश्य से नाले या

दूसरे दिन मिला सुशील का शव

पन्ना,देशबन्धु। जिले के अमानगंज तहसील मुख्यालय निवासी सुशील कुमार सोनी का शव चकदाही घाट से एसडीआरएफ की टीम द्वारा बरामद किया गया ज्ञात हो सुशील कुमार सोनी द्वारा 1 सितंबर को मि?ासन नदी के पुल से छलांग लगा दी थी तथा मोबाइल पुल पर ही छोड़ दिया गया था लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई थी पुलिस ने जिला मुख्यालय स्थित एसडीआरएफ की टीम को अवगत कराया था एसडीआरएफ की टीम द्वारा लगातार सुशील सोनी के शव की तलाश की गई लेकिन दूसरे दिन शव बरामद हुआ पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव का पोस्टमार्टम कराया है ।

जल संसाधन मंत्री ने पुनर्वास स्थल करौंदिया पहुंचकर हितग्राहियों से किया संवाद, निर्माणाधीन मकानों का किया निरीक्षण

बुंदेलखंड की तस्वीर और तकदीर बदलने है केन-बेतवा लिंक परियोजना: सिलावट

ग्रामीणों के बीच बैठकर मंत्री ने सुनी समस्याएं

पन्ना, देशबन्धु। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने गत दिवस केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत पुनर्वास स्थल करौंदिया का भ्रमण कर पुनर्वासित परिवारों से संवाद किया। उन्होंने निर्माणाधीन मकानों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं, प्राप्त मुआवजा एवं पुनर्वास राशि की जानकारी ली।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना बुंदेलखंड की तस्वीर और तकदीर बदलने वाली देश की पहली नदी जो?ो परियोजना है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का स्वप्न, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अथक प्रयास इस क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू होने तथा पुनर्वास कार्यों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए भेजा है, ताकि पुनर्वास का कार्य जन अपेक्षाओं के अनुरूप हो और परियोजना का

निर्माण उ'च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा किया जा सके।

मंत्री श्री सिलावट ने भ्रमण के दौरान अनुसूचित जनजाति के एक परिवार के घर पहुंचकर महिला उमा आदिवासी से आत्मीयता से पूछा कि भोजन में क्या बनाया है। महिला ने रोटी बनाए जाने की बात बताई। इस पर मंत्री ने परिवार के साथ बैठकर आम के अचार के साथ रोटी खाई। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर प्राप्त मुआवजा एवं पुनर्वास राशि के संबंध में चर्चा की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति पात्र हैं, वो पुनर्वास पैकेज की राशि से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए तथा करौंदिया में पुनर्वासित परिवारों को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं। बताया गया कि पुनर्वास स्थल पर बिजली के खंभे लगाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। पेयजल व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए एक अतिरिक्त नलकूप भी सुनिश्चित कराया जाएगा। पुनर्वास स्थल पर बिजली, पेयजल, स?क सहित सभी स्थायी मूलभूत सुविधाओं का विकास शीघ्र पूरा किया जाएगा। मंत्री श्री सिलावट ने महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और ब'चों से भी बातचीत की तथा उनके स्वास्थ्य और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव और पूरी सरकार पुनर्वासित परिवारों के साथ है। शासन-प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि विस्थापित परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

मंत्री ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रदेश के 10 जिले लाभांवित होंगे और बुंदेलखंड के विकास को नई गति मिलेगी। परियोजना अंतर्गत उत्तर प्रदेश के कुल 4 जिले भी लाभांवित होंगे, जिसमें 10.62 लाख हेक्टेयर प्रति वर्ष सिंचाई की सुविधा किसानों को मिलेगी। इससे 62 लाख लोगों के लिए पेयजल की सुविधा मिलेगी। साथ ही 10× मेगावॉट जल विद्युत एवं 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा। जल संसाधन मंत्री ने भ्रमण के दौरान खजुराहो में जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक चर्चा भी की। इसमें गुनौर विधायक डॉ. राजेश कुमार वर्मा भी शामिल हुए।

लापता 2 मासूम बालिकाओं के शव कुएं में मिलने से सनसनी

दमोह देशबन्धु। जबेरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बंशीपुर के ग्राम तांबरी से लापता दो बच्चियों की तलाश के दौरान उनके शव गांव के पास एक कुएं में मिलने से सनसनी के हालात बनते देर नहीं लगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आगरा निवासी पप्पू सिंह की बेटी काव्या और संतोष सिंह आदिवासी की बेटी मानसी ग्राम तांबरी अपने मामा के घर राखी पर मां के साथ आई थी। मंगलवार शाम को घर से खेलने के लिए निकली दोनो बालिकाए जब देर तक घर वापस नहीं लौटी तो उनकी गांव में तलाश की गई। इस दौरान गांव में खेत में बने एक कुंए के बाहर उनकी चप्पले मिलने से उनके कुए में डूबने की आशंका जताई जाने लगी। इधर बच्चियों के लापता होने की जानकारी मिलते ही संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने प्रशासनिक अधिकारियों को जल्द तलाश करने के निर्देश दिए। प्रशासन एवं ग्रामीणों की संयुक्त तलाश में काव्या सिंह 5 वर्ष और मानसी 11 वर्ष के शव कुएं से बरामद किए गए। यह दोनों कुएं में कैसे डूबी यह पुलिस जांच का विषय है पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारनों का पता लग सकेगा। अभियान में एसडीओपी अर्चना अहीर, थाना प्रभारी रविंद्र बागरी, चौकी प्रभारी विकास सिंह चौहान, सरपंच प्रतिनिधि डाल सिंह ठाकुर सहित ग्रामीणों ने सहयोग किया। दोनों बच्चियों के शव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजे गए हैं। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

ग्राम पुरैना बक्शी की सड़क और नरवा पर पुलिया निर्माण की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दमोह/हटा देशबन्धु। ग्राम पुरैना बक्शी के ग्रामीणों ने गांव के एकमात्र सार्वजनिक मार्ग को पक्की सड़क के रूप में विकसित करने तथा नरवा पर पुलिया निर्माण की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि आजादी के 80 वर्ष बाद भी हटा नगर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पुरैना बक्शी पक्की सड़क से वंचित है। गांव की ओर जाने वाले एक अन्य मार्ग पर शासकीय भूमि में गहरी नाली खोद दिए जाने से रास्ता बंद हो चुका है। वर्तमान में सिविल कोर्ट के सामने से नरवा के पास होते हुए रस्सली मोड़ तक जाने वाला मार्ग ही ग्रामीणों के आवागमन का प्रमुख सार्वजनिक रास्ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि उक्त मार्ग पर लगभग 20 वर्ष पूर्व मुरमीकरण हुआ था, लेकिन आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं किया गया। वहीं नरवा पर पुलिया नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में ग्रामीणों, स्कूली बच्चों एवं मरीजों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ज्ञापन के माध्यम से सिविल कोर्ट के सामने से ग्राम पुरैना बक्शी तक पक्की सड़क, नरवा पर पुलिया निर्माण तथा रस्सली मोड़ तक मार्ग को सर्व मौसम सड़क के रूप में विकसित करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मार्ग का तत्काल निरीक्षण कर सड़क एवं पुलिया निर्माण

की स्वीकृति प्रदान करते हुए शीघ्र कार्यवाही किए जाने की मांग की।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हटा ने ग्रामीणों की मांग का किया समर्थन

ग्राम पुरैना बक्शी के ग्रामीणों की मूलभूत सुविधा से जुड़ी इस मांग का ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हटा एवं समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने समर्थन किया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष योगेश 'गोलू' सराफने कहा कि ग्रामीणों को सड़क और पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए वर्षों से परेशान होना पड़ रहा है। कांग्रेस कमेटी ग्रामीणों की जायज मांग के साथ खड़ी है और प्रशासन से मांग करती है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए सड़क एवं नरवा पर पुलिया निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क और पुलिया का निर्माण होने से ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों तथा मरीजों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। प्रशासन को इस समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। ज्ञापन देने वालों में योगेश गोलू सराफ ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी हटा, सुरजीत सिंह ठाकुर, राकेश यादव, अरविंद यादव, कमलेश यादव, राकेश यादव, अनिल यादव, राजेश यादव, मनोज यादव, सोनू यादव, कमल किशोर यादव, नितेश यादव, सौरव यादव, बिट्टू यादव, नरेश यादव, भानु यादव, जितेंद्र यादव, मानवेंद्र यादव, वीरू यादव सहित ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

लोक अदालत के प्रचार वाहन को प्रधान जिला न्यायाधीश ने दिखाई हरी झण्डी

दमोह देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देश पर प्रधान जिला न्यायाधीश ध् अध्यक्ष जिला सुभाष सोलंकी विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में जिला दमोह एवं तहसील न्यायालय हटा, पथरिया एव तेंदूखेड़ा में 12 सितंबर 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों के साथ ही विद्युत चोरी एवं नगरपालिका के जलकर, सम्पत्ति कर के प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति के आधार पर किया जावेगा। उक्त नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु नगरपालिका एवं विद्युत विभाग के समन्वय से प्रचार-प्रसार वाहन को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष सोलंकी द्वारा न्यायालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश/प्रभारी

अधिकारी नेशनल लोक अदालत उदय सिंह गरावी, जिला न्यायाधीश संतोष कुमार गुप्ता, पंकज कुमार गुप्ता, विश्वनाथ शर्मा, अमर गोयल, धर्मेश भट्ट, पंकज शर्मा, अनुराग सिंह कुशवाह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट स्नेहा सिंह, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड आज्ञा अग्रवाल, पलक सिघई दिवाकर, सचिव उत्कर्ष दिवाकर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उषाकांता कृषाण, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ मुकेश पाण्डे, नगरपालिका से स्वास्थ्य अधिकारी जावेद खान, मीडियाजन एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुभाष सोलंकी द्वारा बताया गया कि उक्त नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार आमजन तक पहुंचाये जाने हेतु न्यायालय परिसर से शहर के मुख्य स्थानों अस्पताल चौराहा, घण्टाघर, बस स्टेण्ड, तीन गुल्ली, सागर नाका, स्टेशन चौराहा, रेल्वे स्टेशन आदि स्थानो पर वाहन द्वारा बैनर व जिंगल के माध्यम से प्रचार किया जायेगा। साथ ही नगरपालिका एवं विद्युत विभाग द्वारा प्रकरणों के संबध में दी जाने वाली छूट के लिए सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग्स लगवाये जाकर आमजनता के बीच में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है जिससे जनसमुदाय अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सके।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुभाष सोलंकी द्वारा अधिवक्ता संघ और न्यायाधीशगण से अपील की गई कि लोक अदालत को उत्सव के रूप में मनाते हुए आगामी नेशनल लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 के माध्यम से अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराया जाये जिससे कि पक्षकारों के बीच विवाद का पारस्परिक सहमति से निराकरण होगा और मुकदमेबाजी व विवाद अंतिम रूप से समाप्त होंगे।

अध्यक्ष अधिवक्ता संघ दमोह मुकेश पाण्डे ने नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु अधिवक्तागण का अपेक्षित एवं सकारात्मक सहयोग प्रदान किये जाने

स्कूल में चोरी करने वाले चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दमोह देशबन्धु । 1 सितंबर 2026 को प्रार्थी स्वदेश कुमार नेमा (प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तारादेही) ने थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 29 अगस्त 2026 से 31 अगस्त 2026 के बीच अज्ञात चोरों द्वारा स्कूल के कंप्यूटर लैब से 10 मॉनिटर व सीपीयू, 02 प्रिंटर, कीबोर्ड और माउस (कुल कीमती करीब 5,04,000 रुपये) चोरी कर लिए गए हैं। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगि व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया के निर्देशन तथा एसडीओपी तेंदूखेड़ा के मार्गदर्शन में त्वरित कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 2 संदेहियों आरोपी अनारी गौड़, सुरेश गौड़ को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दोनों संदेहियों ने मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।

आरोपियों से मसरूका 10 मॉनिटर व सीपीयू, 02 प्रिंटर, कंप्यूटर की-बोर्ड व माउस कुल अनुमानित कीमत लगभग 5,04,000 बरामद की। सराहनीय भूमिका उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक आलोक तिरपुड़े, उपनिरीक्षक रमेश मुडरया, प्रधान आरक्षक (64) भगत सिंह, प्र.आर. (413) राजेश सिंह, प्र.आर. (282) तुलसीराम, आरक्षक (102) पंकज प्यासी, आर. (375) बलराम सिंह, आर. (780) राजेन्द्र लोधी, आर. (835) आकाश पटेल, आर. (721) हार्दिक शुक्ला, महिला आरक्षक (603) दिव्या, म.आर. (617) लक्ष्मी, आर. (113) विवेक गोस्वामी (रक्षित केंद्र) व आर. (37) मयंक (साइबर सेल) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शराब दुकान में नहीं लगी नई सूची मनमाने दाम पर बेच रहे शराब

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। आवकारी विभाग द्वारा तेंदूखेड़ा में दो कम्पोजिट शराब दुकान स्वीकृत है लेकिन शराब दुकानों में रेट लिस्ट नहीं होने से शराब दुकानदार मनमाने तरीके से शराब बचे रहे हैं। वही दोनों दुकान के एक ही मालिक गोपाल शर्मा बताये जा रहे है। वहीं शराब प्रेमियों का कहना हे कि रेट लिस्ट दुकान में इसलिए नहीं लगी ताकि मनमाने दाम पर शराब बेच सके कई लोगों ने बताया कि जितनी एमआरपी शराब की बोतल अद्धी पाव में लिखी रहती हे उससे अधिक दाम में शराब बेची जा रही है अधिक रेट से शराब बेचने पर कई मदिरा प्रेमी विल मांगते है तो शराब दुकान के गद्दीदार वहस कर बदतमीजी करते है। जिससे लोग यहां वहां अपनी परेशानी सुनाते रहते है। इस संबंध में दर्जनों लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अंग्रेजी शराब रेट से 15 से 20: तक अधिक में बेची जा रही है।

इनका कहना है

अपने के माध्यम से जानकारी मिली है हम आबकारी विभाग के कर्मचारियों को बुला कर जाँच करवाते है-

सी.जी. गोस्वामी तेंदूखेड़ा

कैट का राज्य स्तरीय व्यापारी सम्मेलन सम्पन्न

दमोह देशबन्धु। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का व्यापारी सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। विधानसभा स्थित मानसरोवर सभागार में उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि श्वोकल फॉर लोकलश् का मंत्र केवल एक आर्थिक अभियान नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का राष्ट्रीय आंदोलन है। उन्होंने भारतीय उत्पादों के उपयोग और प्रचार से देश के कारीगरों, लघु उद्योगों, स्टार्टअप्स तथा व्यापारिक समुदाय को नई शक्ति मिलने की बात कही। इस महोत्सव के माध्यम से देश-विदेश के व्यापारिक प्रतिनिधियों, उद्यमियों और उद्योग जगत को एक बड़ा मंच मिला तथा हजारों करोड़ रुपए के व्यापारिक अवसर उत्पन्न हुए। कैट के इस सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया, राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री एवं दिल्ली

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन, संयुक्त अध्यक्ष गोविंददास असाटी महिला विंग राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता पाटिल मंचासीन अतिथि रहे। इस कार्यक्रम में अतिथियों ने संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए कहा कि कैट को देश के सबसे मजबूत व्यापारी संगठन के रूप में और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन करने तथा व्यापारिक समुदाय की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने का आह्वान किया। आने वाले वर्षों में भारतीय उत्पादों के उपयोग और प्रचार-प्रसार को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए, स्वदेशी वस्तुओं के प्रति उपभोक्ताओं का बढ़ता विश्वास भारत की आर्थिक मजबूती का आधार है। जिला अध्यक्ष दमोह प्रमोद बजाज ने बताया कि सम्मेलन में राज्य के व्यापारियों और व्यापारिक संगठनों से आह्वान किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापारिक संगठनों को और अधिक सक्रिय एवं संगठित हो ऐसी आशा है व्यापारियों को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना आवश्यक है। भोपाल में आयोजित यह सम्मेलन मध्य प्रदेश के व्यापारिक समुदाय की एकजुटता और सामूहिक शक्ति का स्पष्ट संदेश है, व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आज आवश्यकता है कि छोटे और मध्यम व्यापारियों को तकनीक, डिजिटलीकरण, ई-कॉमर्स और नए बाजारों से जोड़ा जाए।

इस सम्मेलन में व्यापारिक मुद्दों पर गहन चर्चा की भविष्य में व्यापार बढ़ाने की योजना बनाई गई और सभी ने मिलकर दिक्कतों का समाधान निकालने का प्रयास किया। स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाने के लिए व्यापारियों ने नए विचार प्रस्तुत किए। दमोह संगठन मंत्री मनोज आहूजा ने बताया कैट का यह सम्मेलन प्रदेश के व्यापारियों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रमोद बजाज ने बताया कैट मप्र की मंशानुसार कैट दमोह में सदस्यता अभियान, युवा ,महिला विंग कार्यकारिणी सहित तहसील में विस्तार किया जाएगा, जुगल अग्रवाल ने कहा आगामी समय में कैट दमोह ऐसा ही भारतीय व्यापार महोत्सव दिल्ली एवं भोपाल के इस सम्मेलन के बाद दमोह में व्यापारी सम्मेलन किया जाएगा , इस सम्मेलन में उपस्थित व्यापारियों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य व्यापारियों के बीच सहयोग और एकता को बढ़ावा देना है।

राशन दुकानों में गड़बड़ी पर कलेक्टर की कार्रवाई, 5 विक्रेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज

स्टॉक और राशन वितरण में मिली गंभीर अनिमयमितताएं, करीब 51.45 लाख रुपए के खाद्यान्न की राशि सामने आई

सागर, देशबान्धु। गरीबों और जरूरतमंद हितग्राहियों के लिये शासन द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के राशन में गड़बड़ी करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही की है। नगर की शासकीय उचित मूल्य दुकानों में राशन प्राप्त न होने संबंधी शिकायतों पर जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन एवं मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के बाद कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा की गई जांच में शहर की पांच शासकीय उचित मूल्य दुकानों में स्टॉक संधारण, राशन वितरण और उपलब्ध खाद्यान्न में गंभीर अनियमिततायें सामने आई हैं। जांच में बड़ी मात्रा में खाद्यान्न के अपयोजन एवं गबन का मामला सामने आने के बाद संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रशासन ने कार्यवाही करते हुये पांचों उचित मूल्य दुकानों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही हितग्राहियों को राशन वितरण प्रभावित न हो, इसके लिये इन दुकानों को नजदीकी उचित मूल्य संस्थाओं से अस्थायी रूप से संबद्ध कर दिया गया है।

सहायक आपूर्ति अधिकारियों चारु जैन और अभिषेक मोर की जांच रिपोर्ट के आधार पर शहर की पांच उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कराये गये हैं। जांच में सुबेदार वार्ड, शास्त्री वार्ड, गांधी चौक वार्ड, रामपुरा वार्ड और शिवाजीनगर वार्ड की उचित मूल्य दुकानों में दुकान संचालन एवं राशन वितरण में गंभीर अनियमिततायें सामने आई। जांच के दौरान राशन के स्टॉक और हितग्राहियों को किये गये वितरण में अंतर पाया गया। कई मामलों में रिकॉर्ड के अनुसार उठाव किये गये खाद्यान्न की मात्रा और वास्तविक वितरण में भारी अंतर मिला तथा खाद्यान्न दुकान पर भौतिक रूप से उपलब्ध भी नहीं पाया गया।

इन दुकानों पर मिली गड़बड़ी

सुबेदार वार्ड उचित मूल्य दुकान कोड 1001046-वर्तमान विक्रेता ध्रुव रजक तथा पूर्व विक्रेता अनुराग तिवारी के मामले में क्रमशः 2,236 और 5,60,012 किलोग्राम खाद्यान्न से संबंधित अनियमितता दर्ज की गई। संबंधित खाद्यान्न की बाजार मूल्य राशि क्रमशः 1,45,680 और 15,67,329 रुपये बताई गई है। शास्त्री वार्ड दुकान कोड 1001020-विक्रेता रमा पति अतुल तिवारी एवं सहायक विक्रेता अनुराग तिवारी के मामले में 47,291 किलोग्राम खाद्यान्न की अनियमितता तथा 14,55,230 रुपये की बाजार मूल्य राशि सामने आई। गांधी चौक वार्ड दुकान कोड 1001039-वर्तमान विक्रेता अनुराग पिता स्व. मदनलाल सैनी तथा पूर्व विक्रेता अतुल तिवारी के मामले में क्रमशः 3,293 और 24,054 किलोग्राम खाद्यान्न से संबंधित अनियमितता मिली। इनकी बाजार मूल्य राशि क्रमशः 10,46,64 और 7,49,500 रुपये है। रामपुरा वार्ड-विक्रेता अतुल तिवारी के मामले में 15,544 किलोग्राम खाद्यान्न और 4,75,260 रुपये की बाजार मूल्य राशि दर्ज की गई। शिवाजी नगर वार्ड दुकान कोड 1001007- विक्रेता दीपक पिता सीताराम श्रीवास्तव के मामले में 20,362 किलोग्राम खाद्यान्न की अनियमितता तथा 6,47,610 रुपये की बाजार मूल्य राशि सामने आई।

जांच में सामने आई अनियमितताओं के बाद उपयोग किये गये खाद्यान्न की राशि की वसूली की कार्यवाही भी जारी है। कलेक्टर द्वारा संबंधित आरोपियों एवं दुकान विक्रेताओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिये गये थे। प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार संबंधित थानों में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 तथा बीएनएस 2023 की धारा 316(5) एवं 318(4) के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराई गई है। कुल मिलाकर दस्तावेज में दर्ज बाजार मूल्य के अनुसार करीब 51.45 लाख रुपये के खाद्यान्न से संबंधित अनियमिततायें सामने आई हैं।

सोशल मीडिया पर अवैध कट्टा लहराकर फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

फोटो देख हुई पहचान, 315 बोर का देशी कट्टा और जिंदा कारतूस जब्त

सागर, देशबन्धु। सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ फोटो डालकर अपना रौब दिखाने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाही शुरू की है। पुलिस टीम लगातार सोशल मीडिया की निगरानी कर ऐसे लोगों को चिंहित कर रही है। इसी के तहत बुधवार को कैंट पुलिस ने अवैध देशी कट्टा और कारतूस के साथ एक आरोपी को पकड़ा है।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान एक युवक के फोटो और वीडियो सामने आये। जिनमें वह देशी कट्टा लहराकर फायरिंग करता दिखाई दे रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुये थाना कैंट पुलिस ने तत्काल तकनीकी और मैदानी स्तर पर जांच शुरू की। सोशल मीडिया पर उपलब्ध फोटो के आधार पर युवक की पहचान शुभम पिता डालचंद्र पटेल निवासी चंद्रशेखर वार्ड के रूप में हुई। आरोपी की पहचान होते ही पुलिस टीम ने कजलीवन मैदान के पास घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस जब्त किया गया। थाने लाकर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। कैंट थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि मामले में आरोपी से हथियार के स्रोत के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

1 से 14 अक्टूबर तक होगी अग्निवीर सेना भर्ती रैली

10 जिलों के करीब 11 हजार अभ्यर्थी होंगे शामिल

सागर, देशबन्धु। सेना भर्ती कार्यालय एआरओ ग्वालियर द्वारा 1 से 14 अक्टूबर तक इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में 14 दिवसीय अग्निवीर सेना भर्ती रैली आयोजित की जायेगी। रैली की तैयारियों को लेकर कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, जिला पंचायत सीईओ जगदीश गोमे, निगमायुक्त राजकुमार खत्री, एआरओ ग्वालियर से कर्नल पंकज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। पंकज कुमार ने भर्ती प्रक्रिया के दौरान होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी साझा की। भर्ती रैली में शिवपुरी, सागर, छतरपुर, दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, श्योपुर, भिंड, मुरैना और ग्वालियर सहित 10 जिलों के लगभग 11 हजार अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर क्लर्क, स्टोर कीपर टेक्निकल और अग्निवीर ट्रेड्समैन सहित विभिन्न श्रेणियों में भर्ती की जायेगी। इसके अलावा सिपाही फार्मा, सोल्जर टेक्निकल नर्सिंग असिस्टेंट तथा वीमेन मिलिट्री पुलिस की श्रेणियां भी शामिल रहेंगी।

सेल्फइंप्लॉयमेंट प्रोजेक्ट के आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश

सागर, देशबन्धु। जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिये संचालित सेल्फ इंप्लॉयमेंट प्रोजेक्ट की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्वरोजगार से संबंधित आवेदनों की पूरी जांच कर उन्हें शीघ्र बैंकरों को भेजा जाये। आवेदन के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज सुनिश्चित किये जायें, जिससे निरस्तीकरण की स्थिति कम हो। उन्होंने निरस्त आवेदनों में कारण स्पष्ट रूप से दर्ज करने के निर्देश दिये, ताकि कमियों को दूर कर पात्र आवेदकों से पुनः आवेदन कराया जा सके, साथ ही विभागवार एवं विकासखंडवार निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने को कहा। सीईओ ने बैंकों के साथ निरंतर समन्वय बनाये रखने और आवेदनों के निराकरण में किसी प्रकार का गतिरोध नहीं आने देने के निर्देश भी दिये। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी पर एफआईआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, वाटर कैनन के बीच पुतला दहन

सागर, देशबन्धु। राहुल गांधी के खिलाफ उत्तराखंड में दर्ज एफआईआर के विरोध में जिला शहर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर अप्सरा टॉकीज चौराहा, भगवानगंज में शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का पुतला दहन किया। पुतला दहन रोकने के लिये पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जिसके बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमा झटकी भी हुई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धामी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ता पुतले को काफी दूर तक घसीटकर ले गये और बाद में उसका दहन किया। कांग्रेस ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को तत्काल वापस लेने की मांग की। महेश जाटव ने आरोप लगाया कि उत्तराखंड की धामी सरकार ने भाजपा के इशारे पर राहुल गांधी के खिलाफ झूठी और दुर्भावनापूर्ण एफआईआर दर्ज कर लोकतंत्र की आवाज दबाने का प्रयास किया है। कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से इस कार्यवाही का विरोध करती रहेगी। संगठन महामंत्री रामकुमार पचौरी ने कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज से घबरा गई है। राहुल गांधी लगातार दलित, पिछड़े, आदिवासी और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित उत्तराखंड सरकार पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ खड़ा है। डॉ. किरण लता सोनी ने कहा कि जब तक राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली जाती, तब तक कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक अपना आंदोलन तेज करेगी। प्रदर्शन का संचालन शरद पुरोहित ने किया। प्रदर्शन में प्रदीप पप्पू गुप्ता, राकेश राय, सिंटू कटारे, सागर साहू, रमाकांत यादव, कमलेश तिवारी, हेमराज रजक, वीरेंद्र राजे, आनंद हैला, जितेंद्र रोहण, ताहिर खान, वसीम खान, हीरालाल चौधरी, ज्योति मलैया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

अतिक्रमण मुक्त कटरा बाजार मुहिमः निगमायुक्त ने दूसरे दिन भी किया निरीक्षण

रेहड़ी पटरी दुकानें व्यवस्थित कराने और घोड़ा बग्गी सहित अतिक्रमण हटाने के दिये निर्देश

सागर, देशबन्धु। अतिक्रमण मुक्त कटरा बाजार अभियान के तहत निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने लगातार दूसरे दिन कटरा बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने तीनबत्ती से पैदल भ्रमण करते हुये कटरा मस्जिद, सबूलाल मार्केट और विजय टॉकीज तिराहे तक सफाई एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। आगामी त्योहारों को देखते हुये उन्होंने रेहड़ी पटरी दुकानदारों को निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित दुकानें लगाने की समझाइश दी। निगमायुक्त ने पिछले निरीक्षण के दौरान दिये गये निर्देशों के पालन की भी जानकारी ली। सबूलाल मार्केट के पास सड़क किनारे ठेले पर सब्जी बेच रही महिला से संवाद करते हुये उसे सब्जी मंडी में दुकान लगाने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन दुकान शिफ्ट करने में हरसंभव सहयोग करेगा और मंडी में दुकान के लिये स्थान उपलब्ध कराने में मदद की जायेगी। कटरा मस्जिद से विजय टॉकीज रोड के निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने सड़क और नालियों पर किये गये अतिक्रमण तत्काल हटाने के निर्देश दिये। सड़क पर स्थायी रूप से खड़ी घोड़ा बग्गी को भी हटाने के निर्देश देते हुये कहा कि बग्गी मालिक निजी स्थल पर इन्हें खड़ा करें। उन्होंने अतिक्रमण दल को सड़क पर बग्गी मिलने पर जुर्माना लगाने और आवश्यकता अनुसार जब्ती की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। निगमायुक्त ने दुकानदारों और नागरिकों से कटरा बाजार को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने, दुकानदारों से सड़क पर सामान नहीं फैलाने तथा रेहड़ी पटरी और ठेला व्यापारियों से निर्धारित मार्किंग लाइन के अंदर एक कतार में दुकानें लगाने, स्थानीय रहवासियों से कटरा क्षेत्र में स्थायी रूप से चार पहिया वाहन पार्क नहीं करने तथा पार्किंग के लिये पद्माकर मैदान का उपयोग करने, ऑटो चालकों को निर्धारित ऑटो स्टैंड पर ही वाहन खड़े करने की अपील की।

मृत अवस्था में मिला काला हिरण, आवारा कुत्तों के हमले से मौत की आशंका

वन विभाग ने कराया पोस्टमार्टम

देवरीकलां, देशबन्धु। देवरी उपवन मंडल के देवरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत बुधवार सुबह मुहली बीट से लगे क्षेत्र में बुधवार सुबह वन विभाग को मुहली बीट से लगे क्षेत्र में एक काला हिरण घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही देवरी वन परिक्षेत्र की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन वहां हिरण मृत अवस्था में मिला। वन विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव का नियमानुसार पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिये देवरी पशु चिकित्सा विभाग भेजा। देवरी वन परिक्षेत्र अधिकारी जेपी शाक्य ने बताया कि मुहली बीट क्षेत्र से लगे स्थान पर काला हिरण के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई थी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो हिरण मृत मिला। शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया हिरण की मौत आवारा कुत्तों के हमले के कारण होना प्रतीत हो रही है। हिरण के शरीर पर कुत्तों के हमले से संबंधित निशान भी पाये गये हैं। वही पशु चिकित्सा ब्लॉक अधिकारी डॉ. बीडी पाल ने बताया कि वन विभाग के अधिकारी मृत काले हिरण को पोस्टमार्टम के लिये लेकर आये थे। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के दौरान प्रथम दृष्टया मौत का कारण कुत्तों के हमले से होना सामने आया है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद वन विभाग द्वारा मृत काले हिरण का नियमानुसार विधिवत अंतिम संस्कार कराया। घटना के बाद वन विभाग की टीम द्वारा क्षेत्र में आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है तथा वन्यजीव की मौत के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही की गई है। वन क्षेत्र से लगे ग्रामीण इलाकों में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या वन्यजीवों के लिये खतरा बनती जा रही है। काला हिरण जैसे वन्यजीव का मृत मिलना वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से गंभीर विषय माना जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के झुंड वन्यजीवों का पीछा कर उन पर हमला कर सकते हैं। ऐसे में वन क्षेत्र से लगे इलाकों में वन्यजीवों की आवाजाही वाले स्थानों पर निगरानी बढ़ाने के साथ ही आवारा कुत्तों से वन्यजीवों की सुरक्षा के लिये प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

ट्रेन से गिरकर पटरी पर घायल हुआ व्यक्ति, डायल.112 जवानों ने पहुंचाया अस्पताल

सागर, देशबन्धु। थाना मोतीनगर क्षेत्र में ट्रेन से गिरकर रेलवे पटरी पर घायल हुये एक व्यक्ति के लिये डायल.112 के जवान समय पर मददगार साबित हुये। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे जवानों ने घायल को सुरक्षित पटरी से उठाया और एफआरवी वाहन से बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचाकर भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार बुधवार को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल.112 में सूचना प्राप्त हुई कि मोतीनगर थाना क्षेत्र के राहतगढ़ बस स्टैंड के पास रेलवे पटरी पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा है और उसे तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही मोतीनगर थाना क्षेत्र में तैनात डायल.112 एफआरवी वाहन को घटनास्थल के लिये रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे आरक्षक कैलाश बागरी और पायलट सलमान खान ने देखा कि एक व्यक्ति ट्रेन से गिरने के कारण रेलवे पटरी पर घायल पड़ा हुआ है। जवानों ने बिना समय गंवाये घायल को सुरक्षित पटरी से उठाकर सड़क तक पहुंचाया और एफआरवी वाहन से बीएमसी ले गये, जहां उसे उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

खेत में तबीयत बिगड़ने से युवक की मौत, पिता ने 3 लोगों पर जबरन मजदूरी के लिये ले जाने का लगाया आरोप

खुरई, देशबन्धु। देहात थाना क्षेत्र के गढ़ोला जागीर गांव में खेत में मजदूरी करते समय 19 वर्षीय युवक आजाद अहिरवार की अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक के पिता ने बेटे की गला दबाकर हत्या किये जाने की आशंका जताई है। मृतक के पिता दरोगा अहिरवार ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा आजाद अहिरवार बलोप टपरा गांव का रहने वाला था और मजदूरी करता था। मंगलवार को गांव के ही पन्नालाल अहिरवार, अंकित अहिरवार और जितेश अहिरवार उसे गढ़ोला जागीर गांव के खेत पर मजदूरी के लिये ले गये थे। खेत में काम करने के दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। पिता का आरोप है कि आजाद की तबीयत खराब होने के बाद तीनों लोग उसे अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़ फूंक कराने के लिये ले गये। कई घंटे बीतने के बाद परिजनों को इसकी जानकारी दी गई। परिजन जब अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने आजाद को मृत घोषित कर दिया था। दरोगा अहिरवार ने बेटे की गला दबाकर हत्या किये जाने की आशंका जताई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि पन्नालाल अहिरवार से बच्चों को लेकर उनका पहले विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते उन्हें आशंका है कि उनके बेटे के साथ कोई अनहोनी हुई है। पिता ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर बुधवार को पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

खुरई रोड पर बनने वाले ऑडिटोरियम के लिए जर्जर भवन गिराने की कार्रवाई शुरू

सागर, देशबन्धु। खुरई रोड पर वर्षों से बंद पड़े शासकीय प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र के जर्जर भवन के स्थान पर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण किया जायेगा। इसके लिये निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में जर्जर भवन को गिराने की कार्यवाही प्रारंभ कराई। निगमायुक्त ने सागर तहसीलदार संदीप तिवारी, नायब तहसीलदार राजेश कोष्टी, आदिम जाति कल्याण विभाग के विनोद भोसले, निगम उपायुक्त एसएस बघेल एवं निगम इंजी. आयुष शुक्ला सहित अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने वर्षों से बंद भवन के ताले खुलवाकर जर्जर टीन शेड एवं भवन को हटाने की कार्यवाही शुरू कराई। करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से 300 दर्शकों की बैठक क्षमता वाला सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम विकसित किया जायेगा। इसमें अत्याधुनिक लाइटिंग, पार्किंग, फायर सेफ्टी सिस्टम, कलाकारों के लिये ग्रीन रूम, टॉयलेट एवं दिव्यांगजनों के आवागमन के लिये रैंप सहित अन्य सुविधायें उपलब्ध रहेंगी। ऑडिटोरियम के निर्माण से स्थानीय कलाकारों और रंगमंच से जुड़े लोगों को अभ्यास एवं प्रस्तुतियों के लिये बेहतर मंच मिलेगा। इसके अलावा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के लिये भी शहरवासियों को आधुनिक सुविधा उपलब्ध होगी।

संतुलित आहार स्वस्थ जीवन की पहली आवश्यकताः डॉ. सरोज गुप्ता

शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में पोषण आहार सप्ताह शुरू, वाद विवाद प्रतियोगिता में स्वयंसेवकों ने रखे विचार

सागर, देशबन्धु। शास. कला एवं वाणिज्य अग्रणी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र एवं छात्रा इकाई द्वारा 1 से 7 सितंबर तक पोषण आहार सप्ताह मनाया जा रहा है। सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों और समाज में संतुलित आहार, उचित पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता लाने के लिये विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिये संतुलित आहार अत्यधिक महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में पौष्टिक एवं संतुलित भोजन के महत्व की जानकारी देने और इस संदेश को समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से पोषण आहार सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें एनएसएस स्वयंसेवक वैष्णवी नामदेव, अंजना अहिरवार, ममता पटेल, राज आर्यन अहिरवार एवं यशवंत गौड़ ने सहभागिता करते हुये पोषण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। स्वयंसेवकों ने संतुलित आहार की आवश्यकता, पोषण की कमी के प्रभाव और स्वस्थ जीवनशैली में खान पान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किये। आयोजन के तहत आज चित्रकला तथा 5 सितंबर को निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 7 सितंबर को पोषण आहार सप्ताह के समापन अवसर पर पुरस्कृत किया जायेगा। संचालन कर रही एनएसएस छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रज्ञा दुबे ने विद्यार्थियों को दैनिक भोजन में आवश्यक पौष्टिक तत्वों को शामिल करने के लिये प्रेरित किया। डॉ. रवींद्र ठाकुर ने सामान्य भोजन और संतुलित आहार के बीच के अंतर को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। अंत में एनएसएस छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया। आयोजन में महाविद्यालयीन स्टाफ एवं एनएसएस स्वयंसेवकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादकः **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादकः **ज़ाकिर अली*** प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन-** MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।